▪ RNI No. : TNHIN/2013/52520 ▪ वर्ष - 13 ▪ अंक - 283 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » मंगलवार » 12-05-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 तकनीक समय की तरह है, जो इसके साथ नहीं चला वह पिछड़ गया : योगी आदित्यनाथ

6 देश में अपराधमुक्त समाज निर्माण की चुनौती

7 इतियाज अली के निर्देशन में निखरीं शरवरी वाघ

दुनिया की कोई ताकत भारत को झुका नहीं सकती : प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को सोमनाथ मंदिर में 'महा पूजा' और अन्य अनुष्ठान किए। यह अनुष्ठान इस पुनर्निर्मित मंदिर के लोकार्पण की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित सोमनाथ अमृत महोत्सव के अंतर्गत किया गया। प्रधानमंत्री ने यहां रोड शो करने के बाद भगवान शिव को समर्पित इस मंदिर में प्रवेश किया और वैदिक मंत्रोच्चार के बीच 'महा पूजा' करने के साथ ही शिवलिंग पर जलाभिषेक किया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सोमनाथ/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को 1998 के पोखरण परमाणु परीक्षण का जिक्र करते हुए कहा कि दुनिया की कोई भी ताकत भारत को झुका नहीं सकती या दबाव में नहीं ला सकती है।

भगवान शिव के प्रसिद्ध सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित सोमनाथ अमृत महोत्सव में एक सभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि दुर्भाग्य से देश में ऐसी शक्तियां आज भी प्रभावी हैं, जिन्हें राष्ट्रीय स्वाभिमान से ज्यादा तुष्टीकरण जरूरी लगता है और अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण के विरोध के दौरान भी इसी तरह की सोच दिखाई दी थी।

प्रधानमंत्री ने कहा, ''अगर 1947 में भारत आजाद हुआ था... तो, 1951 में सोमनाथ की प्राण प्रतिष्ठा ने भारत की स्वतंत्र चेतना का उद्घोष किया था।''

मोदी ने कहा कि सोमनाथ का 'अमृत महोत्सव' केवल अतीत का उत्सव नहीं है, यह अगले एक हजार वर्षों के लिए भारत की प्रेरणा का महोत्सव भी है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि 11 मई केवल सोमनाथ मंदिर के नए स्वरूप में प्राण प्रतिष्ठा के लिए ही नहीं, बल्कि इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि 1998 में आज के ही दिन तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में भारत ने परमाणु परीक्षण किए थे।

वीबी जी राम जी अधिनियम एक जुलाई से होगा लागु

- एक जुलाई से महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम समाप्त हो जाएगा।
- ग्रामीण परिवारों को 125 दिनों का वैधानिक वैतनिक रोजगार देने का वादा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्र सरकार ने सोमवार को घोषणा की कि 'महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम' (मनरेगा) के स्थान पर नया 'विकसित भारत-रोजगार और आजीविका के लिए गारंटी मिशन (ग्रामीण) (वीबी-जी राम जी) अधिनियम एक जुलाई से पूरे देश में लागू हो जाएगा।

इसमें कहा गया है कि नए अधिनियम में एक नया ढांचा होगा जो ग्रामीण परिवारों को 125 दिनों का वैधानिक वैतनिक रोजगार देने का वादा करता है।

ग्रामीण विकास मंत्रालय ने एक बयान में इसे भारत की ग्रामीण विकास संरचना में एक ऐतिहासिक परिवर्तन बताया है, जो विकसित भारत 2047 की परिकल्पना के अनुरूप है।

मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, यह अधिनियम एक जुलाई से सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में लागू हो जाएगा और महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम उसी दिन से समाप्त हो जाएगा।

फर्स्ट टेक

रुपया सर्वकालिक निचले स्तर 95.31 प्रति डॉलर पर

मुंबई/भाषा। रुपया सोमवार को 82 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सर्वकालिक निचले स्तर 95.31 (अस्थायी) पर आ गया। अमेरिका के शांति प्रस्ताव पर ईरान की प्रतिक्रिया को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा खारिज करने के बाद कच्चे तेल की कीमतों में तेजी से घरेलू मुद्रा पर दबाव है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नागरिकों से सोना खरीदने से बचने और मितव्ययिता उपायों को अपनाने का आग्रह करने से बाजार की धारणा और कमजोर हो गई। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि अमेरिकी डॉलर के मजबूत रुख और विदेशी पूंजी की भारी निकासी ने रुपए पर और दबाव डाला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.97 पर खुला। दिन में 94.87 से 95.34 प्रति डॉलर के बीच कारोबार करता रहा। अंत में यह अबतक के सबसे निचले स्तर 95.31 प्रति डॉलर पर बंद हुआ जो पिछले बंद भाव से 82 पैसे की भारी गिरावट है।

शुभेंदु अधिकारी के सहयोगी की हत्या मामले में उत्तर प्रदेश से तीन गिरफ्तार

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के सहयोगी चंद्रनाथ रथ की हत्या के मामले में तीन लोगों को उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, उत्तर 24 परगना जिले के मध्यमग्राम में छह मई की रात हुई रथ की हत्या की जांच के लिए गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) ने रविवार को आरोपियों को हिरासत में लिया और बाद में गिरफ्तार कर लिया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि जांचकर्ताओं ने मामले में डिजिटल साक्ष्यों और अंतरराज्यीय संबंधों पर नजर रखते हुए यह कार्रवाई की। उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' को बताया ''यह बड़ी सफलता है।

काठमांडू में उतरते वक्त टर्किश एयरलाइंस के विमान में आग लगी

काठमांडू/भाषा। नेपाल के त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरते समय टर्किश एयरलाइंस के एक विमान में आग लग गई। इस दुर्घटना में किसी के घायल होने की कोई खबर नहीं है, लेकिन घटना के बाद हवाई अड्डा का परिचालन करीब दो घंटे के लिए बंद करना पड़ा। हवाई अड्डे के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विमान में 277 यात्री और चालक दल के 11 सदस्य सवार थे और सभी सुरक्षित हैं। यह घटना सुबह छह बजकर 36 मिनट पर हुई।

देश में ही एआई अवसंरचना का विकास एवं संचालन हो : अदाणी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उद्योगपति गौतम अदाणी ने भारत से कृत्रिम मेधा (एआई) मूल्य शृंखला में स्वदेशी क्षमताएं विकसित करने का आह्वान करते हुए सोमवार को कहा कि आने वाले दशकों में ऊर्जा सुरक्षा और डिजिटल अवसंरचना भू-राजनीतिक शक्ति को परिभाषित करेंगे।

भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के वार्षिक व्यापार शिखर सम्मेलन 2026 को संबोधित करते हुए अदाणी समूह के चेयरमैन ने कहा कि बढ़ते भू-राजनीतिक विखंडन के बीच वैश्वीकरण के दशकों पुराने आधार कमजोर हो रहे हैं। उन्होंने कहा, '' उभरती दुनिया स्थिर नहीं है, बल्कि विभाजित एवं प्रतिस्पर्धी है। सेमीकंडक्टर अब शासन करने के उपकरण बन गए हैं। आंकड़ों को एक राष्ट्रीय संसाधन की तरह देखा जा रहा है। क्लाउड का हथियार की तरह इस्तेमाल हो रहा है। कृत्रिम मेधा का विकास डाटा केंद्रों की सुरक्षा दीवारों के भीतर किया जा रहा है।''

हाल के भू-राजनीतिक संघर्षों और अवसंरचना पर हमलों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि '' ऊर्जा सुरक्षा और डिजिटल सुरक्षा अब राष्ट्रीय शक्ति के दो प्रमुख स्तंभ हैं।''

अदाणी ने कहा कि भारत को एआई को केवल सॉफ्टवेयर नहीं बल्कि ऊर्जा, डाटा केंद्र, चिप, नेटवर्क, कंप्यूट क्षमता और प्रतिभा तक फैली रणनीतिक अवसंरचना के रूप में देखना चाहिए। उन्होंने कहा, '' भारत को अपने बौद्धिक भविष्य की अवसंरचना किराए पर नहीं लेनी चाहिए। भारत को इसे अपने देश में ही बनाना, संचालित करना चाहिए और उसका स्वामित्व रखना चाहिए।''

नवीकरणीय ऊर्जा विस्तार के जरिये

वैश्विक बदलाव को भारत दे रहा दिशा : भूपेंद्र यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने सोमवार को कहा कि भारत नवाचार के साथ जुझारूपन, आर्थिक वृद्धि के साथ टिकाऊपन और सामाजिक समावेश के साथ विकास के मेल के जरिये वैश्विक नेतृत्व के रूप में उभरने की विशिष्ट स्थिति में है।

यादव ने यहां उद्योग मंडल भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) की तरफ से आयोजित एक सम्मेलन में कहा कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था है और नवीकरणीय ऊर्जा के विस्तार, डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना, स्टार्टअप वृद्धि और विनिर्माण के माध्यम से वैश्विक बदलाव को दिशा दे रहा है। उन्होंने कहा, ''भारत अब नवीकरणीय ऊर्जा स्थापित क्षमता के मामले में दुनिया में तीसरे स्थान पर है। मार्च, 2026 तक भारत की कुल सौर ऊर्जा क्षमता 150 गीगावाट पर पहुंच गई जबकि 2014 में यह 2.82 गीगावाट थी।'' पर्यावरण मंत्री ने कहा कि देश की लगभग 50 प्रतिशत स्थापित बिजली क्षमता अब गैर-जीवाश्म ईंधन स्रोतों से आ रही है। इस तरह भारत ने 2030 के लक्ष्य से पहले ही इसे हासिल कर लिया है।

यादव ने अगले महीने प्रस्तावित 'इंटरनेशनल बिग कैट अलायंस समिट 2026' का उल्लेख करने के साथ कॉरपोरेट क्षेत्र से बड़ी बिल्लियों के संरक्षण के लिए वित्तपोषण और साझेदारी बढ़ाने की अपील की।

'इंटरनेशनल बिग कैट अलायंस' अपनी तरह का अनूठा वैश्विक मंच है, जो उन देशों को साथ लाता है जहां शेर, बाघ, तेंदुआ, हिम तेंदुआ, चीता, जैगुआर और प्यूमा जैसी बड़ी बिल्लियों की सात प्रमुख प्रजातियां पाई जाती हैं।

उन्होंने कहा, आवास पुनर्स्थापन, प्रौद्योगिकी की मदद से निगरानी, सामुदायिक संरक्षण, क्षमता निर्माण और जागरूकता जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में बड़ी बिल्लियों के संरक्षण के लिए कॉरपोरेट क्षेत्र से पैसे मिलना बेहद जरूरी है।

पश्चिम एशिया युद्ध के जल्द थमने के आसार नहीं

विदेशी मुद्रा बचाने में सहयोग करें देशवासी : वैष्णव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोमवार को कहा कि पश्चिम एशिया युद्ध के जल्द थमने के आसार नहीं दिखने की वजह से नागरिकों से विदेशी मुद्रा भंडार को बचाकर रखने के लिए हरसंभव प्रयास करने का आग्रह किया गया है।

वैष्णव ने यहां उद्योग मंडल भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के वार्षिक व्यापार सम्मेलन में कहा कि हालिया घटनाक्रम को देखते हुए पश्चिम एशिया में संघर्षविराम अभी 'बहुत दूर' नजर आ रहा है। उन्होंने कहा, हम बहुत अनिश्चितता वाले समय में हैं। हमारी किसी गलती के बगैर, हमारे पड़ोस में दो देशों के बीच चल रहे युद्ध का असर पूरी दुनिया पर पड़ रहा है। मौजूदा स्थिति में यहां पर संघर्षविराम होना दूर लगता है।

इससे एक दिन पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नागरिकों का पश्चिम एशिया संघर्ष से उपजी चुनौतियों से निपटने में सहयोग करने का आह्वान किया था। उन्होंने पेट्रोल-डीजल के समझदारी से इस्तेमाल और किसी भी तरह से विदेशी मुद्रा बचाने पर जोर दिया।

वैष्णव ने कहा कि संकट की इस घड़ी में नागरिकों को भी महत्वपूर्ण भूमिका निभानी है। उन्होंने कहा, हम नागरिकों के रूप में अपने जीवन और कामकाज में ऐसे उपाय पहचान सकते हैं, जिनसे विदेशी मुद्रा की बचत हो सके। साथ ही हमें विदेशी मुद्रा अर्जित करने के प्रयास भी बढ़ाने चाहिए।

प्रधानमंत्री मोदी ने लोगों से मेट्रो रेल के उपयोग, कार पूलिंग, इलेक्ट्रिक वाहन के अधिक इस्तेमाल, पार्सल भेजने के लिए रेलवे सेवाओं को प्राथमिकता देने और संभव होने पर 'घर से काम करने' जैसे कदम उठाने का सुझाव दिया है।

सूर्यास्त	सूर्योदय
12-05-2026	13-05-2026
6:26 बजे	5:43 बजे

BSE	NSE
76,015.28	23,815.85
(-1,312.91)	(-360.30)

सोना	चांदी
15,664 रु.	268,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

पर उपदेश...

सोना नहीं खरीदो भाई,
फिरते चारों और लुटेरे।
तेल बचाओ तिल तिल जलकर,
करो परिश्रम के पगफेरे।
ज्ञान उजाले का वे देते,
जिनके तले सदा अंधेरे।
उनके मन की बातें लगतीं,
पर उपदेश कुशल बहुतेरे।।

अब देश चलाना प्रधानमंत्री मोदी के बस की बात नहीं रही : कांग्रेस

- कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने आरोप लगाया कि जब ग़रीबी में आटा गीला हो रहा है तब प्रधानमंत्री मोदी देश को बचत करने का पाठ पढ़ा रहे हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने सोमवार को दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बचत की अपील करके अपनी नाकामी का सबूत दिया है तथा अब देश चलाना एक ''कम्प्रोमाइज्ड'' प्रधानमंत्री के बस की बात नहीं है। पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री हर बार ज़िम्मेदारी जनता पर डाल देते हैं ताकि ख़ुद जवाबदेही से बच निकलें।

राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, '' मोदी जी ने कल जनता से त्याग की मांग की कि सोना मत ख़रीदो, विदेश मत जाओ, पेट्रोल का कम उपयोग करो, खाद और खाने का तेल कम उपयोग करो, मेट्रो में चलो, घर से काम करो। उन्होंने दावा किया कि ये उपदेश नहीं बल्कि नाकामी के सबूत हैं।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने कहा, 12 साल में देश को इस मुक़ाम पर ला दिया है कि जनता को बताना पड़ रहा है कि क्या ख़रीदें, क्या न ख़रीदें, कहां जाएं, कहां न जाएं। हर बार ज़िम्मेदारी जनता पर डाल देते हैं ताकि ख़ुद जवाबदेही से बच निकलें। उन्होंने यह दावा भी किया कि देश चलाना अब ''कम्प्रोमाइज्ड पीएम'' के बस की बात नहीं रही।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने आरोप लगाय कि जब ग़रीबी में आटा गीला हो रहा है तब प्रधानमंत्री मोदी देश को बचत करने का पाठ पढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि 28 फ़रवरी को पश्चिम एशिया में युद्ध आरंभ होने के बाद इसके असर के विभिन्न पहलुओं के बारे में कांग्रेस ने आगाह किया था, लेकिन प्रधानमंत्री चुनावी प्रचार में मशगूल थे।

खरगे ने सवाल किया कि प्रधानमंत्री इस दौरान रोडशो क्यों कर रहे थे? उनका कहना है, ''अब जब चुनाव ख़त्म हैं तो देश को उपदेश दिया जा रहा है।''

कांगेस अध्यक्ष ने कहा, ''अपनी 12 वर्षों की नाकामी का ठीकरा, देश की जनता पर मत फोड़िये, मोदी जी। गोस्वामी तुलसीदास जी ने सही कहा है: पर उपदेश कुशल बहुतेरे...।''

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की अप्रत्याशित अपील का मतलब यह हो सकता है कि आने वाले समय में मितव्ययिता से जुड़े कठोर कदम उठाए जाएं।

केवल मंदिरों की दीवारों के भीतर नहीं, बल्कि खुद भारत की चेतना में बसता है सनातन

भारत की आध्यात्मिक, सांस्कृतिक पहचान को नष्ट करने के प्रयास में नाकाम रहे 'विदेशी आक्रांता' : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाराणसी/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कहा कि 'विदेशी आक्रांता' भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पहचान को नष्ट करने के प्रयास में नाकाम रहे, क्योंकि सनातन भारत की चेतना में बसता है और इसे मिटाया नहीं जा सकता।

योगी ने 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' के तहत वाराणसी में आयोजित 'सोमनाथ संकल्प महोत्सव' को संबोधित करते हुए कहा कि विदेशी आक्रांताओं ने सनातन को खत्म करने की कोशिश की, लेकिन वे भारत की आत्मा को तोड़ नहीं सके। उन्होंने कहा, मोहम्मद गोरी से लेकर मुगलों तक कई विदेशी आक्रांताओं ने हमारी आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पहचान को नष्ट करने की कोशिश की।

योगी ने कहा, औरंगजेब ने बाबा विश्वनाथ के प्राचीन मंदिर को ध्वस्त कर दिया और यहां गुलामी का प्रतीक एक ढांचा खड़ा कर दिया, लेकिन वह भारत की आत्मा को तोड़ नहीं सका। वह यह नहीं समझ सका कि सनातन केवल मंदिरों की दीवारों के भीतर नहीं, बल्कि खुद भारत की चेतना में बसता है। भारत अपनी आत्मा को शाश्वत और अमर मानता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन लोगों ने सनातन को मिटाने की कोशिश की, वे खुद ही धूल में मिल गए और आज उन आक्रांताओं को कोई याद नहीं करता, लेकिन काशी विश्वनाथ धाम और सोमनाथ मंदिर भारत के स्वाभिमान की गाथा को आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज भी ऐसी ताकतें मौजूद हैं, जो भारत के आध्यात्मिक और सांस्कृतिक प्रतीकों के पुनरुत्थान का विरोध करती हैं।

योगी ने किसी भी राजनीतिक दल या नेता का नाम लिए बगैर आरोप लगाया कि जिन लोगों ने सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण का विरोध किया था, उन्हीं लोगों ने बाद में अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण में भी बाधाएं खड़ी कीं। उन्होंने कहा, हम जानते हैं कि सोमनाथ महादेव मंदिर की पुनर्स्थापना कार्यक्रम के दौरान किन लोगों ने बाधाएं खड़ी थीं। ये वही लोग थे, जिन्होंने बाद में राम मंदिर के निर्माण और इस मुद्दे के समाधान में बार-बार अड़चन डालने की कोशिश की।

योगी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को देश को 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के दृष्टिकोण की ओर ले जाने और पूरे भारत में प्रमुख आध्यात्मिक केंद्रों के पुनरुद्धार का नेतृत्व करने का श्रेय दिया। उन्होंने इसके लिए प्रधानमंत्री का आभार भी जताया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' भारत की सांस्कृतिक चेतना और आध्यात्मिक परंपरा के पुनरुत्थान का एक स्पष्ट आह्वान और देश को उसकी जड़ों से फिर से जोड़ने का एक अभिनव प्रयास है।

मातृ दिवस पर 80 वर्ष की आयु से अधिक वाली माताओं का किया गया सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के तत्वावधान में अखिल भारतीय खरतरगच्छ महिला परिषद् द्वारा रविवार को मातृ दिवस समारोह का आयोजन किया गया जिसमें मलयप्रभसागरजी और साध्वी प्रियश्रद्धांजनाश्रीजी ने निश्रा प्रदान की। मलयप्रभजी ने कहा कि मां की तुलना किसी से भी नहीं की जा सकती।

मां ही हमें जन्म के पश्चात संस्कार प्रदान करती है। साध्वीजी ने कहा कि यह दिवस हमारी संस्कृति में तो नहीं है। फिर भी उन्होंने अपनी मां के उपकारों को याद करते हुए बचपन के अनेक संस्मरण सुनाए जिससे उनकी धर्म के प्रति रुचि और आस्था सुदृढ़ हुई। अध्यक्षा पवनी बाफना ने सभी का स्वागत किया। प्रचार प्रसार संयोजक चन्दू डाकलिया ने बताया कि मदर्स डे के उपलक्ष्य में संस्था की ओर से 80 वर्ष की आयु से अधिक माता लब्धिदेवी पारख, कृष्णादेवी रतनपुरा, शांतिदेवी गुलेच्छा, बादामीदेवी गुलेच्छा, सुमतिदेवी पोमानी का विशेष सम्मान लाभार्थी सरोज गुलेच्छा, सलाहकार गुलाबदेवी मेहता, मंजु गुलेच्छा द्वारा किया गया।

पैसों से नहीं, प्रेम से तोलना होता है परिवार को : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बल्लारी। बल्लारी फोर्ट क्षेत्र में आचार्यश्री विमलसागरसूरीश्वरजी के सान्निध्य में आयोजित त्रिदिवसीय महोत्सव में श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए संतश्री ने कहा कि मकान और घर, दोनों में गहरा अंतर होता है। इस्पात, ईंट, पत्थर और सीमेंट से बनता है मकान, लेकिन सुख-शांति और प्रेम से जिस मकान में लोग सुकून की जिंदगी जीते हैं, वह होता है घर। उस घर में खुशियों का आशियाना, प्रेरणाओं की पाठशाला और अपनों का बसेरा होता है। दिन भर के परिश्रम से थका-हारा आदमी जब घर आकर राहत की सांस लेता है तो जीवन के बेहतरीन पल वो जीता है। मजबूरियों का मारा एक व्यक्ति कड़ी मेहनत-मजदूरी कर किराए के मकान में पूरी जिंदगी गुजार देता है। उसके नसीब इतने कमजोर होते हैं कि उसे कभी अपनी मालिकी का मकान नहीं मिलता। ऐसे लोग भी जब आपसी सद्भाव और प्रेम से रहते हैं तो दुनिया में खुद के स्वामित्व के आशियाने का न होना उन्हें अखरता नहीं। वे किराये के मकान में, कम सुविधाओं के बीच भी संतोष और शांति की जिंदगी जी लेते हैं।ङ्ङ्महोत्सव में आचार्य विमलसागरजी ने मंगल कलश की स्थापना करते हुए कहा कि आपसी स्नेह, सद्भाव, सम्मान और संस्कारों से युक्त घर-परिवार ही जीवन की अमूल्य संपदा है। ऐसा जीवन अपने आप में मंगलमय है। दुनिया के सभी मंगल प्रतीकों और मंगल मंत्रों को एकत्रित करके भी उस मंगलमय जीवन की होड़ नहीं की जा सकती। मन को सुसंस्कारित करके ही हम अपने जीवन की सुख-शांति का प्रबंध कर सकते हैं। आज लोग परिवार को प्रेम से नहीं, पैसों से तोलते हैं। यही वजह है कि हमारे देश की संयुक्त परिवार की गौरवशाली परंपरा टूटती जा रही है। गणि पद्मविमलसागरजी ने बताया कि सोमवार को भक्तिसंगीत के साथ स्नात्र महोत्सव किया गया। फिर शुभ मुहूर्त में शांतिपाठ के साथ मंगल कलश और अखंड ज्योत की स्थापना की गई। कुमारिकाओं ने मंत्रोच्चार पूर्वक जवारारोपण किया। तत्पश्चात माणिभद्र देव, घंटाकर्ण वीर, क्षेत्रपाल और सरस्वती की स्थापना हुई। विविध मंत्रों के द्वारा हवन विधान किया गया। श्रद्धालुओं ने कुंड में आहुतियां देकर सकल मंगल की कामना की। आरती और चैत्यवंदना के साथ महोत्सव का प्रथम चरण सम्पन्न हुआ। सायंकाल को सामूहिक साझी गीतों का मनोहारी सांस्कृतिक कार्यक्रम हुआ।

सरकार से आईटी क्षेत्र के लिए 'वर्क फ्रॉम होम' को अनिवार्य करने की मांग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र के कर्मचारियों के संगठन एनआईटीईएस ने श्रम एवं रोजगार मंत्रालय से एक परामर्श जारी करने का आग्रह किया है, जिसमें आईटी और आईटीईएस क्षेत्रों के लिए जहां भी संभव हो, 'वर्क फ्रॉम होम' अनिवार्य करने का निर्देश देने की मांग की गई है।

यह मांग प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा पश्चिम एशिया में युद्ध के प्रतिकूल प्रभावों से बचने के लिए हाल ही में कुछ विशेष उपाय करने के आह्वान के बाद की गई।

मंत्रालय को सौंपे गए एक औपचारिक प्रतिवेदन में नैसेंट इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी एम्प्लॉइज सीनेट (एनआईटीईएस) ने कहा कि लाखों आईटी पेशेवरों के दैनिक आवागमन को कम करने से ईंधन संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण सहित राष्ट्रीय प्राथमिकताओं में महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा।

एनआईटीईएस के अध्यक्ष हरप्रीत सिंह सलूजा ने कहा, ''भारतीय आईटी क्षेत्र ने कोविड-19 महामारी के दौरान उत्पादकता या व्यावसायिक निरंतरता में बाधा डाले बिना बड़े पैमाने पर वर्क फ्रॉम होम को सफलतापूर्वक लागू किया था। इस क्षेत्र में दूर से काम करके राष्ट्रीय प्राथमिकताओं का समर्थन करने के लिए बुनियादी ढांचा और क्षमता दोनों मौजूद हैं।''

संगठन ने कहा कि घर से काम करने से न केवल अनावश्यक यात्रा और ट्रैफिक जाम में कमी आएगी, बल्कि कर्मचारियों का स्वास्थ्य भी बेहतर होगा। साथ ही डिजिटल संचालन व आर्थिक गतिविधियां बिना किसी रुकावट के जारी रहेंगी।

दूसरी ओर, आईटी उद्योग की संस्था नैसकॉम ने सोमवार को कहा कि भारतीय प्रौद्योगिकी कंपनियां घर से या मिलेजुले रूप से काम करने सहित विवेकपूर्ण प्रबंधन उपाय अपना रही हैं। संस्था ने एक बयान में कहा कि प्रौद्योगिकी क्षेत्र स्थापित हाइब्रिड वर्क मॉडल पर काम कर रही हैं।

गुरु सत्यज्वाला की निश्रा में कांटेड़ परिवार द्वारा पंचतीर्थ यात्रा आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। माता संजीवनी ज्वालामालिनी के परम भक्त गुरु सत्यज्वालाजी की निश्रा व सोनाणा खेतला के भक्त दिलीप सोनी की उपस्थिति में मां पद्मावती मित्र मंडल द्वारा शहर के कमनहल्ली निवासी इंदरचंद काटेड़ परिवार के सौजन्य से पंचतीर्थ यात्रा संघ का प्रयाण शुक्रवार को गणेश बाग से हुआ। इस यात्रा संघ में शामिल 108 श्रावक श्राविकाएं अरसीकेरे तीर्थ, बिरुर के विमलनाथ दादा, स्वर्ण मंदिर, हुमचा के पार्श्व-पद्मावती, एनआरपुरा में चन्द्रप्रभु ज्वालामलिनी एवं कारकल स्थित दक्षिण पावापुरी के दर्शन कर सोमवार को बेंगलूरु वापस पहुंचे। श्रद्धालुओं ने सभी तीर्थों में भक्ति के साथ श्रद्धा से पूजा की। बिरुर आराधना भवन में संतों के सान्निध्य में अतिथियों व संघ लाभार्थी कांटेड़ परिवार का सम्मान किया गया। इस सम्मान समारोह के दौरान अरसीकेरे के पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष बीएन विद्याधर ने गुरु सत्यज्वालाजी के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। एनआर पुरा ज्वालामलिनी तीर्थ में लक्ष्मीसेन भट्टारक ने ज्वालामालिनी देवी की महिमा का वर्णन करते जैन समाज के इतिहास पर प्रकाश डाला। समारोह में हीरालाल, प्रकाश, मांगीलाल कांटेड़ सहित परिवार के अनेक सदस्य उपस्थित थे। सम्मान समारोह में संघपति इन्दरचन्द कांटेड़ ने संचालन करते हुए सभी यात्रियों व संतों के प्रति आभार व्यक्त किया।

विकास परियोजनाओं को रोकने के लिए याचिकाएं दायर करने की प्रवृत्ति निंदनीय : न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने विकास परियोजनाओं को रोकने के लिए याचिकाएं दायर करने की प्रवृत्ति की निंदा करते हुए सोमवार को पूछा कि अगर ऐसी याचिकाएं दायर की जाती रहीं, तो देश कैसे प्रगति करेगा।

प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा, हमें इस देश में एक भी ऐसी परियोजना दिखाएं, जहां इन तथाकथित पर्यावरण कार्यकर्ताओं ने कहा हो कि हम इस परियोजना का स्वागत करते हैं। ये टिप्पणियां उस पीठ की ओर से आईं, जो राष्ट्रीय हरित अधिकरण की पश्चिमी क्षेत्र की पीठ के एक आदेश के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी। अधिकरण ने गुजरात में पिपावा बंदरगाह के विस्तार और आधुनिकीकरण के लिए दी गई पर्यावरण और तटीय विनियमन क्षेत्र की मंजूरी को रद्द करने की मांग वाली अपील को खारिज कर दिया था। शीर्ष अदालत ने टिप्पणी की, इस देश में जिस तरह की याचिकाएं दायर की जा रही हैं, उनका मकसद सिर्फ विकास को रोकना है। यही समस्या है। देश प्रगति कैसे करेगा?पीठ ने हालांकि, स्पष्ट किया कि अदालतें हमेशा से ही पर्यावरण संबंधी मुद्दों को लेकर चिंतित रही हैं और पर्यावरण को प्रभावित करने वाली किसी भी चीज की आलोचना करती हैं। याचिका पर सुनवाई करते हुए पीठ ने कहा कि एनजीटी ने इस मामले में बहुत विस्तृत आदेश पारित किया है।

सेंसेक्स 1,313 अंक टूटा, प्रधानमंत्री की मितव्ययिता की अपील से निवेशक चिंतित

मुंबई/भाषा। स्थानीय शेयर बाजारों में सोमवार को लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में गिरावट जारी रही और बीएसई सेंसक्स 1,313 अंक लुढ़क गया जबकि एनएसई निफ्टी 24,000 अंक के नीचे आ गया। अमेरिका और ईरान के शांति समझौते पर पहुंचने में नाकाम रहने के बाद कच्चे तेल के दाम में तेजी के बीच बाजार में गिरावट आई। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1,312.91 अंक यानी 1.70 प्रतिशत टूटकर 76,015.28 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 1,370.79 अंक तक लुढ़क गया था। पचास शेयरों पर आधारित एनएसई निफ्टी 360.30 अंक यानी 1.49 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,815.85 अंक पर बंद हुआ। पिछले बृहस्पतिवार से शुरू तीन कारोबारी सत्रों में सेंसेक्स लगभग 1,950 अंक यानी 2.5 प्रतिशत टूटा है जबकि निफ्टी 515 अंक यानी दो प्रतिशत से अधिक के नुकसान में रहा। विश्लेषकों के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नए शांति प्रस्ताव पर ईरान की प्रतिक्रिया को पूरी तरह से खारिज कर दिया है। इससे पश्चिम एशिया में संकट दूर करने के लिए राजनयिक सफलता की उम्मीद फिलहाल कमजोर हुई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मितव्ययिता की अपील ने विदेशी मुद्रा भंडार, ईंधन की कीमतों और उपभोग के दृष्टिकोण को लेकर निवेशकों की चिंताओं को और बढ़ा दिया है। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में टाइटन के शेयर में सबसे ज्यादा सात प्रतिशत की गिरावट आई। इंटरग्लोब एविएशन, भारतीय स्टेट बैंक, भारती एयरटेल, इटर्नल और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में भी भारी गिरावट देखी गई।

सरकार जलाशयों में सौर पैनल स्थापित करने के लिए प्रोत्साहन देने पर कर रही विचार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा सचिव संतोष सारंगी ने सोमवार को कहा कि सरकार नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता को पूरे देश में बढ़ाने के लिए फ्लोटिंग यानी जलाशयों में लगने वाले सोलर पैनल को प्रोत्साहन देने पर विचार कर रही है।

सारंगी ने यहां उद्योग मंडल सीआईआई के सालाना व्यापार शिखर सम्मेलन में कहा कि भारत ने जो ऊर्जा बदलाव की परिकल्पना की है, उसमें सस्ती बिजली, उपलब्धता और पर्यावरण अनुकूल पहल पर जोर दिया गया है। उन्होंने कहा कि नीति आयोग के अनुमान के अनुसार, 2050 तक हमें 1,800 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा और लगभग 2,000 गीगावाट बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली (बीईएस) की आवश्यकता होगी।

सारंगी ने कहा कि नीतिगत विकल्पों को खुला रखते हुए और नवीकरणीय ऊर्जा को बड़े पैमाने पर बढ़ावा देने वाली योजनाओं को तैयार करना ही आगे का रास्ता होगा। उन्होंने सुझाव दिया कि नवीकरणीय ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना का विकेंद्रीकरण किया जाना चाहिए। ये संयंत्र अभी केवल राजस्थान और गुजरात जैसे राज्यों में ही लगाये जा रहे हैं।

जम्मू-कश्मीर के गांदेरबल में बिजली गिरने से 90 भेड़ों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। जम्मू-कश्मीर के गांदेरबल जिले के ऊपरी इलाकों में चारागाह पर आकाशीय बिजली गिरने से कम से कम 90 भेड़ों की मौत हो गई। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों के अनुसार, रविवार रात गांदेरबल जिले के कंगन क्षेत्र के पोशकर स्थित मैदान में आकाशीय बिजली गिरी, जिससे करीब 90 भेड़ों की मौत हो गई।

उन्होंने बताया कि ये भेड़ें खानाबदोश चरवाहों के एक परिवार की थीं, जो अपने पशुओं को चराने के लिए सोनमर्ग क्षेत्र की ओर ले जा रहे थे।

कश्मीर के कुछ इलाकों में रविवार रात तेज हवाओं और रुक-रुक कर हुई बारिश से मकानों और फसलों को भी नुकसान पहुंचा है।

गेहूं का उत्पादन पिछले साल से अधिक रहेगा : कृषि मंत्री चौहान

नई दिल्ली/भाषा। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि के कारण हुए स्थानीय नुकसान के बावजूद चालू फसल वर्ष 2025-26 (जुलाई-जून) में देश का गेहूं उत्पादन, पिछले साल के 11 करोड़ 79.4 लाख टन को स्तर को लांघ जाने की संभावना है।

चौहान ने कहा, ''हमारा मानना है कि गेहूं का उत्पादन पिछले साल से बेहतर होगा।'' उन्होंने कहा कि फसल अच्छी है और रिकॉर्ड खरीद होगी। मुख्य रबी (सर्दियों) की फसल-गेहूं की कटाई - प्रमुख उत्पादक राज्यों में लगभग पूरी हो चुकी है। इसकी खरीद जोरों पर है। कृषि मंत्रालय ने बेमौसम बारिश से पहले 2025-26 में 12 करोड़ 2.1 लाख टन गेहूं उत्पादन का अनुमान लगाया था, जो पिछले साल के उत्पादन से अधिक है। हालांकि, आरएफएफआई ने 14 अप्रैल को अनुमान लगाया था कि हाल के मौसम की क्षति को ध्यान में रखते हुए उत्पादन में मामूली गिरावट आएगी।

जी राम जी अधिनियम को लागू करने की घोषणा सुर्खियां बटोरने की कवायद : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने मनरेगा के स्थान पर लाए गए 'विकसित भारत-जी राम जी अधिनियम' के लागू करने को घोषणा को सोमवार को 'सुर्खियां बटोरने की कवायद' करार दिया और आरोप लगाया कि ग्रामीण भारतीय परिवारों के काम करने के संवैधानिक अधिकार की चोरी की जा रही है। केंद्र सरकार ने सोमवार को घोषणा की कि 'महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम' (मनरेगा) के स्थान पर नया 'विकसित भारत- रोजगार और आजीविका के लिए गारंटी मिशन (ग्रामीण) (वीबी-जी राम जी) अधिनियम एक जुलाई से पूरे देश में लागू हो जाएगा।

इसमें कहा गया है कि नए अधिनियम में एक नया ढांचा होगा जो ग्रामीण परिवारों को 125 दिनों का वैधानिक वैतनिक रोजगार देने का वादा करता है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''विकसित भारत-जी राम जी अधिनियम पर केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय की ओर से आज की प्रेस विज्ञप्ति में कुछ ऐसा नहीं है जो पहले ज्ञात न हो। यह उस सरकार द्वारा सुर्खियां बटोरने की एक और कवायद है जो इस तरह की कवायदों में माहिर है। यह कहने के अलावा कोई विवरण सामने नहीं आया है कि उन्हें जल्द ही जारी किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यदि मनरेगा के स्थान पर लाए गए कानून को एक जुलाई, 2026 से लागू किया जाना है, तो सभी परिचालन विवरण अब तक उपलब्ध होने चाहिए थे।

मुख्यमंत्री रेड्डी ने बंडी संजय के बेटे के खिलाफ पॉक्सो मामले में गहन जांच के आदेश दिए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने सोमवार को डीजीपी सी.वी. आनंद को निर्देश दिया कि वह केंद्रीय मंत्री बंडी संजय कुमार के बेटे के खिलाफ यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत दर्ज मामले की गहन जांच के लिए विशेष टीमें गठित करें। केंद्रीय मंत्री के बेटे पर एक नाबालिग लड़की का यौन उत्पीड़न करने का आरोप है।

मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार, मुख्यमंत्री ने पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) से स्पष्टीकरण मांगा कि आठ मई को शिकायत दर्ज होने के बावजूद कोई कार्रवाई क्यों नहीं की गई। खबरों के मुताबिक, डीजीपी ने बताया कि पुलिस अधिकारी और कर्मी 10 मई को प्रधानमंत्री की हैदराबाद यात्रा के लिए सुरक्षा व्यवस्था में व्यस्त थे। रेड्डी ने आनंद को निर्देश दिया कि केंद्रीय मंत्री के बेटे के खिलाफ पेट बशीरबाद पुलिस थाने में दर्ज मामले की जांच तुरंत शुरू की जाए। यह मामला 17 वर्षीय लड़की के यौन उत्पीड़न के आरोपों के बाद दर्ज किया था - हालांकि आरोपी ने इस आरोप से इनकार किया है और बदले में आरोप लगाने वाली लड़की और उसके माता-पिता पर जबरन वसूली करने तथा आपराधिक धमकी देने का आरोप लगाया है।

उमर अब्दुल्ला ने की अमित शाह से मुलाकात

केंद्र शासित प्रदेश के लिए राज्य के दर्जे पर चर्चा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सोमवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की और दोनों नेताओं ने केंद्र शासित प्रदेश से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की।

राष्ट्रीय राजधानी के लिए रवाना होने से पहले, मुख्यमंत्री ने श्रीनगर में पत्रकारों से कहा कि वह जम्मू और कश्मीर से संबंधित सभी मुद्दों पर चर्चा करेंगे। उन्होंने कहा, काश गृह मंत्री से एक ही मुलाकात में हमें राज्य का दर्जा मिल जाता। अगर ऐसा होता तो हमें बहुत पहले ही मिल गया होता। लेकिन हां, मैं बैठक में जम्मू-कश्मीर से संबंधित राज्य के दर्जे और अन्य मुद्दे जरूर उठाऊंगा। अब्दुल्ला ने यह भी कहा था कि सार्वजनिक सुरक्षा से जुड़े कार्यक्रमों के दौरान उपराज्यपाल को दूरसंचार संबंधित अधिकार देने में कुछ भी गलत नहीं है, क्योंकि सुरक्षा और कानून व्यवस्था का प्रभार उन्हीं के पास है।

अब्दुल्ला ने पत्रकारों से कहा, ''यह सही कदम है। ये अधिकार उपराज्यपाल के पास होने चाहिए। यह न तो व्यापार नियमों के विरुद्ध है और न ही पुनर्गठन अधिनियम के खिलाफ हैं।'' उन्होंने कहा कि फोन सेवाओं या इंटरनेट को बंद करने के आदेश गृह विभाग द्वारा जारी किए जाते हैं, जो उपराज्यपाल के अधीन आता है।

केंद्र ने पिछले सप्ताह जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल को सार्वजनिक सुरक्षा की घटनाओं या राष्ट्रीय आपातकाल के दौरान केंद्र शासित प्रदेश में दूरसंचार सेवाओं से संबंधित शक्तियों का प्रयोग करने के लिए अधिकृत किया है, जैसे कि सिग्नल को रोकना, सेवा को निलंबित करना आदि।

मौजूदा परिदृश्य में भारतीय उद्योग कारोबार के रणनीतिक पुनर्संयोजन पर ध्यान दे: शक्तिकांत दास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री के प्रमुख सचिव शक्तिकांत दास ने सोमवार को भारतीय उद्योग को मौजूदा वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में अपने कारोबार के रणनीतिक पुनर्संयोजन का सुझाव देते हुए कहा कि आपूर्ति के एक ही स्रोत पर निर्भरता घटाकर आपूर्ति शृंखला में विविधता लानी चाहिए।

दास ने उद्योग मंडल भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के वार्षिक व्यापार सम्मेलन में कहा कि वैश्विक सुस्ती और भू-राजनीतिक तनाव के दौर में सीमित बाजारों या भौगोलिक क्षेत्रों पर अत्यधिक निर्भरता से खासकर निर्यातकों के लिए जोखिम बढ़ता है। बाजार में विविधता लाने से जोखिम का बंटवारा होगा, राजस्व स्थिर रहेगा और कंपनियों को वृद्धि के नए क्षेत्रों और मांग के अवसर मिलेंगे। दास ने कहा, भू-आर्थिक विखंडन और आपूर्ति शृंखला में व्यवधान के इस दौर में भारतीय उद्योग के लिए अपने कारोबार का रणनीतिक पुनर्संयोजन करना जरूरी हो गया है, क्योंकि 'कॉर्नर सॉल्यूशन' मॉडल अब कम प्रभावी होता जा रहा है। 'कॉर्नर सॉल्यूशन' का मतलब उत्पादन या आपूर्ति के लिए किसी एक ही स्रोत पर अत्यधिक निर्भर रहना है। इसमें आपूर्ति शृंखला का 'जस्ट-इन-टाइम' मॉडल भी शामिल होता है। उन्होंने कहा कि मौजूदा संदर्भ में कॉरपोरेट जगत के लिए अपनी लागत न्यूनतम रखने के बजाय 'जुझारूपन को अधिकतम करना' अब प्राथमिकता बनती जा रही है, जो लंबी अवधि में अधिक लाभकारी साबित हो सकती है। दास ने कहा कि सरकार ने मौजूदा वैश्विक परिस्थितियों से निपटने के लिए नवीकरणीय ऊर्जा पर जोर, बुनियादी ढांचे पर बढ़ते पूंजीगत व्यय और विभिन्न देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते जैसे कई कदम उठाए हैं तथा सुधारों को लेकर कोई ढिलाई नहीं बरती जा रही है।

मुख्यमंत्री जोसेफ विजय तमिलनाडु विधानसभा के सदस्य के रूप में शपथ ली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु विधानसभा में मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय, नौ अन्य मंत्रियों और एडप्पाडी के. पलानीस्वामी सहित नव निर्वाचित विधायकों ने सोमवार को सदन की सदस्यता की शपथ ली। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। विधानसभा के कार्यवाहक अध्यक्ष एम.वी. करूपैया ने उन्हें पद की शपथ दिलाई।

विधानसभा में विधायकों के शपथ ग्रहण की कार्यवाही सुबह साढ़े नौ बजे कार्यवाहक विधानसभा अध्यक्ष के संक्षिप्त परिचय के साथ शुरू हुई।

मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने विधायक के रूप में सबसे पहले शपथ ली और इसके बाद एन. आनंद तथा आधव अर्जुन सहित नौ मंत्रियों ने विधायक पद की शपथ ग्रहण की।

इसके बाद, द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) विधायक दल के नेता एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन, पूर्व मुख्यमंत्री व ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) नेता ई. पलानीस्वामी और द्रमुक नेता ओ. पन्नीरसेल्वम, अन्नाद्रमुक सदस्य ए कृष्णमूर्ति और के. पी. अनबलगन सहित अन्य लोगों ने विधायक के रूप में शपथ ली।

मुख्यमंत्री विजय ने द्रमुक प्रमुख स्टालिन से मुलाकात की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने सोमवार को अपने पूर्ववर्ती एवं द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) अध्यक्ष एम. के. स्टालिन से यहां अलवरपेट स्थित उनके आवास पर मुलाकात की। विजय के नेतृत्व वाली सरकार को 13 मई तक सदन में विश्वास मत हासिल करना है, उससे कुछ दिन पहले दोनों नेताओं के बीच यह मुलाकात हुई है। विधानसभा चुनाव में जीत दर्ज करने और मुख्यमंत्री पद संभालने के बाद विजय ने पहली बार स्टालिन से मुलाकात की। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि यह ''एक शिष्टाचार भेंट'' थी।

स्टालिन और उनके बेटे उदयनिधि स्टालिन ने मुख्यमंत्री विजय का गर्मजोशी से स्वागत किया। विजय द्वारा तमिलनाडु पर 10 लाख करोड़ रुपये का ऋण बोझ होने के लिए द्रमुक की पूर्ववर्ती सरकार की कड़ी आलोचना करने के एक दिन बाद यह बैठक हुई है। विजय ने 'सत्ता के अनेक केंद्र' होने के लिये परोक्ष रूप से द्रमुक पर निशाना साधते हुए कहा था कि वह अपनी सरकार में एकमात्र सत्ता का केंद्र होंगे। द्रमुक प्रमुख स्टालिन ने कर्ज के बोझ संबंधी विजय के बयान पर पलटवार किया था। बाद में, विजय ने एमडीएमके संस्थापक वाइको से मुलाकात की।

विधानसभा चुनाव में तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) ने शानदार प्रदर्शन करते हुए राज्य की 234 सदस्यीय विधानसभा में 108 सीट पर जीत हासिल की थी। विजय ने रविवार को यहां एक समारोह में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी और इसी के साथ ही इस राज्य में लगभग 60 साल में पहली बार द्रमुक और ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) से इतर किसी दल की सरकार बनी है। टीवीके को समर्थन देने वाली कांग्रेस द्रमुक की पूर्व सहयोगी है। कांग्रेस के पांच विधायक हैं। विजय के तिरुचिरापल्ली पूर्व सीट से इस्तीफे के बाद, टीवीके के पास विधानसभा में 107 सीट हैं और इसे कांग्रेस, वीसीके, आईयूएमएल और वाम दलों के 13 विधायकों का समर्थन प्राप्त है। राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने नयी सरकार को 13 मई तक विधानसभा में विश्वासमत हासिल करने का निर्देश दिया है। सोमवार को मुख्यमंत्री विजय के आगमन पर उदयनिधि ने उनसे हाथ मिलाकर और गर्मजोशी से गले लगाकर उनका स्वागत किया। बाद में स्टालिन ने विजय को गले लगाया और उन्हें अपने घर के अंदर ले गये।

विजय और स्टालिन ने एक-दूसरे को रेशमी शॉल और गुलदस्ता देकर सम्मानित किया। बाद में विजय एमडीएमके संस्थापक वाइको के आवास पर गये और उनसे मुलाकात की। वाइको के बेटे दुरई वाइको ने विजय का स्वागत किया। वाइको ने विजय को सफेद रेशमी शॉल भेंट की। मुख्यमंत्री ने भी वाइको को शॉल भेंट करके सम्मानित किया। बाद में, दोनों नेताओं को थोड़ी देर के लिए बातचीत करते हुए देखा गया और वाइको के आवास पर मौजूद लोगों ने विजय का अभिवादन किया। इस मौके पर वाइको ने कहा कि चुनाव के बाद विजय एक बड़े नेता के रूप में उभरे हैं और चुनाव से यह साबित हुआ कि लोग बदलाव चाहते थे।

'केरल के मुख्यमंत्री पर आलाकमान का फैसला कांग्रेस कार्यकर्ताओं को मंजूर होगा'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रमेश चेन्निथला ने सोमवार को कहा कि केरल में मुख्यमंत्री पद को लेकर पार्टी आलाकमान जो भी निर्णय लेगा, उसे राज्य के कांग्रेस और संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) के सभी कार्यकर्ता स्वीकार करेंगे। नयी दिल्ली से लौटने के बाद चेन्निथला ने यहां संवाददाताओं से कहा, हमें आलाकमान से जो कुछ भी कहना था, हमने कह दिया है। उन्होंने हमारी पूरी बात सुनी है। अब आगे का फैसला उन्हें ही करना है। उन्होंने कहा कि निर्णय लेने में हो रही देरी लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा है।

चेन्निथला इस बात पर जोर दिया कि मुख्यमंत्री पद के संबंध में पार्टी आलाकमान का हर फैसला राज्य के सभी कांग्रेस और यूडीएफ कार्यकर्ताओं को मान्य होगा। उन्हें राज्य में मुख्यमंत्री पद के तीन प्रमुख दावेदारों में से एक मानाजा रहा है। इससे पहले रविवार को, मुख्यमंत्री के चयन को लेकर जारी विचार-विमर्श के बीच उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए कहा था कि कांग्रेस ऐसी पार्टी नहीं है जो नागपुर (राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ मुख्यालय) के निर्देशों पर चलती हो। शनिवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी ने नयी दिल्ली में केरल विधानसभा में विपक्ष के नेता वी.डी. सतीशन, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के महासचिव के.सी. वेणुगोपाल, चेन्निथला, केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रमुख सनी जोसेफ और केरल की एआईसीसी प्रभारी महासचिव दीपा दासमुंशी के साथ चर्चा की थी। यह बैठक कांग्रेस विधायक दल के नेता के चयन को लेकर आयोजित की गई थी, जो केरल के अगले मुख्यमंत्री भी होंगे।

बाद में, केरल के नेताओं और दासमुंशी ने संयुक्त रूप से पार्टी कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे नेतृत्व के मुद्दे पर किसी भी तरह के विरोध प्रदर्शन या पोस्टर अभियान से दूर रहें।

तमिलनाडु ट्रांसफॉर्मर खरीद घोटाला

उच्चतम न्यायालय का सीबीआई जांच के आदेश में दखल से इनकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/चेन्नई। उच्चतम न्यायालय ने तमिलनाडु में ट्रांसफॉर्मर खरीद में 397 करोड़ रुपये के कथित घोटाले की सीबीआई जांच के निर्देश देने वाले मद्रास उच्च न्यायालय के आदेश में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया है। शीर्ष अदालत ने इस संबंध में तमिलनाडु के पूर्व मंत्री वी. सेंथिल बालाजी की याचिका को सोमवार को खारिज कर दिया। मद्रास उच्च न्यायालय ने 2021 से 2023 के बीच राज्य के बिजली मंत्री के रूप में बालाजी के कार्यकाल के दौरान ट्रांसफॉर्मर खरीद में कथित अनियमितताओं की सीबीआई जांच के निर्देश दिए थे। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती देने वाली बालाजी की याचिका पर सुनवाई से सोमवार को इनकार कर दिया।

तमिलनाडु जनरेशन एंड डिस्ट्रीब्यूशन कॉरपोरेशन (टीएएनजीईडीसीओ) के एक अधिकारी की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ दवे ने कहा कि उच्च न्यायालय के समक्ष सीबीआई जांच की कोई विशेष प्रार्थना नहीं की गई थी और यह मामला राजनीतिक रूप से प्रेरित है। दवे ने कहा, उच्च न्यायालय के समक्ष सीबीआई जांच की कोई मांग नहीं की गई थी। यह राजनीतिक रूप से प्रेरित मामला है।'' इस पर न्यायमूर्ति नाथ ने कहा कि यदि परिस्थितियां इसकी मांग करती हैं तो अदालत ऐसी जांच का निर्देश देने के लिए सक्षम है।

पीठ ने कहा, ''हमें किसी प्रार्थना की आवश्यकता नहीं है। यह इस बात पर निर्भर करता है कि अदालत क्या महसूस करती है।'' उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ विशेष अनुमति याचिका पर विचार करने से इनकार करते हुए शीर्ष अदालत ने कहा कि वह अपील पर सुनवाई करने की इच्छुक नहीं है और मामले की जांच उच्च न्यायालय की टिप्पणियों से प्रभावित हुए बिना स्वतंत्र रूप से आगे बढ़नी चाहिए।

मद्रास उच्च न्यायालय ने 29 अप्रैल को तमिलनाडु सरकार द्वारा 45,000 ट्रांसफॉर्मर की खरीद में कथित अनियमितताओं की सीबीआई जांच के आदेश दिए थे। उच्च न्यायालय के आदेश के बाद बालाजी ने कहा था कि निविदा प्रक्रिया में सभी नियमों का पालन किया गया और ट्रांसफॉर्मर खरीद में कोई अनियमितता नहीं हुई। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) नेता ने यह भी कहा था कि खरीद की प्रक्रिया 1987 से लागू है और अब तक वही प्रक्रिया अपनाई जा रही है। उच्च न्यायालय का यह आदेश उन आरोपों के बाद आया था कि 2021 से 2023 के बीच राज्य के खजाने को 397 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ।

यह आदेश गैर सरकारी संगठन अरप्पोर अय्यक्कम की याचिका पर पारित किया गया, जिसमें विशेष जांच दल (एसआईटी) से जांच कराने की मांग की गई थी, जबकि अन्नाद्रमुक के विधिक प्रकोष्ठ के पदाधिकारी ई. सरवनन और राजकुमार ने कथित अनियमितताओं की सीबीआई जांच की मांग की थी। याचिकाकर्ताओं ने आरोप लगाया था कि तत्कालीन द्रमुक सरकार में बिजली मंत्री रहे बालाजी के कार्यकाल के दौरान 45,000 ट्रांसफॉर्मर की खरीद में 397 करोड़ रुपये की अनियमितताएं हुईं। उच्च न्यायालय ने मामले से संबंधित सभी शिकायतों को विस्तृत जांच के लिए सीबीआई को स्थानांतरित करने का निर्देश दिया था।

अदालत ने मामले में नये सिरे से जांच करने का निर्देश देते हुए सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय (डीवीएसी) को दो सप्ताह के भीतर मामले से जुड़े सभी दस्तावेज सीबीआई को सौंपने को कहा था। उच्च न्यायालय ने यह भी निर्देश दिया था कि दस्तावेज मिलने के बाद सीबीआई जांच शीघ्र पूरी करे और कानून के अनुसार उचित कार्रवाई करे। अदालत ने टीएएनजीईडीसीओ, डीवीएसी और तमिलनाडु सरकार को जांच के दौरान सीबीआई को पूरा सहयोग देने का भी निर्देश दिया था।

टीवीके को समर्थन देने के मुद्दे पर अन्नाद्रमुक में मतभेद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में हार के बाद ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) के विधायकों के सत्तारूढ़ तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) को समर्थन देने के मुद्दे पर विभाजित होने से पार्टी में आतंरिक मतभेद पैदा हो गया है, जबकि पार्टी प्रमुख एडप्पाडी के. पलानीस्वामी के खिलाफ विद्रोह होने के संकेत भी दिखाई दे रहे हैं। राज्य विधानसभा की कुल 234 में से 167 सीट पर चुनाव लड़ने वाली अन्नाद्रमुक केवल 47 सीट ही हासिल कर सकी। चुनावी नतीजों के बाद पार्टी महासचिव पलानीस्वामी की अध्यक्षता में विधायकों की कई बैठकें आयोजित की गईं।

अन्नाद्रमुक सूत्रों के अनुसार, जहां पार्टी का एक गुट सरकार गठन में टीवीके को समर्थन देने का कड़ा विरोध कर रहा था, वहीं दूसरे गुट ने विजय के नेतृत्व वाली पार्टी को बाहर से समर्थन देने की वकालत की। कुछ विधायकों ने पार्टी के खराब चुनावी प्रदर्शन के मद्देनजर पलानीस्वामी से पद छोड़ने की भी मांग की। सी. वे षणमुगम और एस. पी. वेलुमणि सहित कई वरिष्ठ नेताओं तथा पूर्व मंत्रियों के साथ ही उनके समर्थक विधायकों ने पलानीस्वामी की अध्यक्षता में हुई बैठकों में भाग नहीं लिया। पार्टी के अंदरूनी सूत्रों ने बताया कि षणमुगम, वेलुमणि और उनके समर्थकों ने टीवीके का समर्थन करने में रुचि दिखाई है।

अन्नाद्रमुक के पूर्व नेता के.सी. पलानीसामी ने कहा, पार्टी के भीतर स्पष्ट विभाजन है। कई विधायक नेतृत्व परिवर्तन चाहते हैं। अगर पलानीस्वामी नेता बने रहते हैं, तो कुछ विधायकों द्वारा टीवीके को समर्थन देने के आसार हैं। उन्होंने कहा कि ''पलानीस्वामी को पार्टी के शीर्ष पद से स्वेच्छा से इस्तीफा दे देना चाहिए'' ताकि पार्टी अगला चुनाव एकजुटता के साथ लड़े। राजनीतिक विश्लेषक सत्यालय रामकृष्णन ने कहा कि अन्नाद्रमुक नेताओं के बीच गलतफहमियों को वार्ता करते हुए मिलजुलकर दूर किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि अब तक पार्टी एकजुट है क्योंकि अन्नाद्रमुक के सभी विधायक विधानसभा में साथ बैठे थे। वरिष्ठ नेताओं को पार्टी में कोई फूट नहीं पड़ने देनी चाहिए।''

केरल में मुख्यमंत्री पद को लेकर खींचतान पर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष चंद्रशेखर का तंज

तिरुवनंतपुरम। केरल में अगले मुख्यमंत्री के नाम को लेकर जारी खींचतान के बीच भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर ने सोमवार को कांग्रेस पर तंज कसा जिससे राज्य के शीर्ष पद के तीन दावेदारों में से एक के.सी. वेणुगोपाल को लेकर अटकलें तेज हो गईं।

सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक उपयोगकर्ता ने व्यंग्यात्मक लहजे में लिखा कि भाजपा की केरल इकाई वेणुगोपाल को राज्य में चाहती है, जबकि भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व उन्हें नयी दिल्ली में देखना चाहता है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए चंद्रशेखर ने लिखा, ''मेरा जवाब यह है कि मैं इसे न तो इसकी पुष्टि करूंगा और न ही इनकार करूंगा।''

भाजपा नेता द्वारा साझा की गई पोस्ट में, मुख्यमंत्री पद के संबंध में निर्णय में लगातार देरी को लेकर कटाक्ष किया गया है। मुख्यमंत्री पद के प्रमुख दावेदारों में वी.डी. सतीशन, रमेश चेन्निथला और वेणुगोपाल शामिल हैं। पोस्ट में कहा गया, ''केरल की भाजपा इकाई और भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व के बीच मजेदार कड़ा मुकाबला हो रहा है। भाजपा की केरल इकाई के.सी. वेणुगोपाल को केरल में चाहती है, जबकि केंद्रीय नेतृत्व उन्हें दिल्ली में चाहता है।'' चंद्रशेखर की इस व्यंग्यात्मक टिप्पणी ने लोगों का ध्यान खींचा है, क्योंकि मुख्यमंत्री पद को लेकर कांग्रेस के भीतर अनिश्चितता बनी हुई है।

मंत्री कीर्तना पहली बार में नहीं ले सकीं शपथ, बाद में प्रक्रिया पूरी की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु विधानसभा में नवनिर्वाचित विधायकों के शपथ ग्रहण के दौरान उस समय अजीब स्थिति उत्पन्न हो गई, जब एक महिला मंत्री शुरुआत में अपना निर्वाचन प्रमाण पत्र पेश नहीं कर सकीं और उन्हें इसे लाने के लिए वापस जाना पड़ा। वहीं, एक अन्य विधायक ने भूलवश अपने सहयोगी का दस्तावेज पेश कर दिया, हालांकि चूक का पता चलते ही इसे दुरुस्त कर लिया गया। अधिकारियों के अनुसार, शपथ ग्रहण के दौरान अन्नाद्रमुक के एक विधायक पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत जे जयललिता की तस्वीर देखकर भावुक हो गए और रो पड़े। उन्होंने बताया कि कुछ घंटे बाद कीर्तना ने अपना प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया और शपथ ली।

विधानसभा की कार्यवाही के सीधे प्रसारण में देखा गया कि जब विधानसभा के प्रधान सचिव के. श्रीनिवासन ने माइक पर कीर्तना का नाम शपथ लेने के लिए पुकारा, तो वह मुख्यमंत्री की कुर्सी के सामने बने मंच की ओर बढ़ीं। विधानसभा की परंपरा के अनुसार, शपथ लेने वाले विधायक प्रोटेम स्पीकर (कार्यवाहक अध्यक्ष) की ओर मुख करके खड़े होते हैं। जैसे ही कीर्तना मंच के पास पहुंचीं, सचिव श्रीनिवासन ने हाथ उठाकर उनसे निर्वाचन प्रमाणपत्र मांगा। हालांकि, वह प्रमाणपत्र पेश नहीं कर सकीं। श्रीनिवासन को उन्होंने क्या जवाब दिया, यह स्पष्ट रूप से पता नहीं चल सका है। पूरे घटनाक्रम पर अधिकारी ने कहा, ऐसा लगता है कि उनके पास उस समय निर्वाचन प्रमाणपत्र नहीं था। प्रमाणपत्र प्रस्तुत नहीं कर पाने के कारण, वरिष्ठ अधिकारी ने उन्हें शपथ लेने की अनुमति देने से विनम्रतापूर्वक इनकार कर दिया। अब वह निर्वाचन प्रमाणपत्र जमा करने के बाद किसी भी समय शपथ ले सकती हैं। बाद में, कीर्तना प्रमाण पत्र सदन में लेकर आईं और उसे अधिकारी को सौंप दिया तथा ईश्वर के नाम पर शपथ ली। अधिकारी ने बताया कि सभी विधायकों को स्पष्ट निर्देश दिए गए थे कि वे अपना प्रमाणपत्र अनिवार्य रूप से साथ लाएं। सरकार ने एक प्रेस विज्ञप्ति के जरिए भी यह बात साफ कर दी थी। वेलाचेरी से 'तमिलगा वेत्री कषगम' (टीवीके) के विधायक आर. कुमार जब अपना निर्वाचन प्रमाणपत्र जमा करने के बाद शपथ लेने ही वाले थे, तभी अधिकारी श्रीनिवासन ने उन्हें रोक दिया। श्रीनिवासन ने कुमार का ध्यान इस ओर दिलाया कि उनके द्वारा जमा किए गए प्रमाणपत्र पर किसी अन्य व्यक्ति का नाम दर्ज है। बाद में पता चला कि कुमार अपने पास बैठे अपनी ही पार्टी के एक अन्य विधायक का प्रमाणपत्र ले आए थे और अनजाने में उसे श्रीनिवासन को सौंप दिया था। इसके तुरंत बाद, कुमार अपनी सीट पर वापस गए और अपना निर्वाचन प्रमाणपत्र लाकर श्रीनिवासन को दिया।

अन्नाद्रमुक में किसी तरह का संकट नहीं, पार्टी को कोई नहीं तोड़ सकता : सुबाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) के विधायक एसाक्की सुबाया ने पार्टी में किसी तरह के संकट की खबरों को खारिज करते हुए सोमवार को कहा कि पार्टी पूरी तरह एकजुट है और जनकल्याण के लिए काम कर रही है। तमिलनाडु विधानसभा सत्र के पहले दिन संवाददाताओं से बातचीत में अंबासमुद्रम से विधायक एवं पूर्व मंत्री सुबाया ने पार्टी के भीतर असंतोष की अटकलों को खारिज किया। उन्होंने कहा, ''पार्टी में सब कुछ ठीक चल रहा है। कोई भी पार्टी को तोड़ नहीं सकता।''

सुबाया ने कहा कि ''पार्टी सुचारू रूप से काम कर रही है और व्यापक असंतोष की अफवाहों में कोई सच्चाई नहीं है। उन्होंने कहा, पार्टी में किसी तरह का असंतोष नहीं है।'' पार्टी नेतृत्व में संभावित बदलाव के सवाल पर विधायक ने कहा कि इस तरह की बातें केवल बहस का विषय हैं और इनका मौजूदा स्थिति से कोई संबंध नहीं है। संगठन को कमजोर करने की कोशिशों से साफ इनकार करते हुए सुबाया ने कहा कि किसी में भी ''पार्टी को तोड़ने'' की ताकत नहीं है। उन्होंने पार्टी में विभाजन की ''खबरों को फर्जी'' करार दिया। उन्होंने कहा कि पार्टी की प्राथमिकता सुशासन और देश के लोगों का कल्याण सुनिश्चित करना है। अन्नाद्रमुक के विधायक की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है, जब विधानसभा चुनावों में पार्टी के खराब प्रदर्शन के बाद अन्नाद्रमुक में अंदरूनी मतभेदों को लेकर चर्चाएं चल रही हैं। विधायक ने मीडिया से इस मुद्दे को अधिक तूल नहीं देने की अपील करते हुए कहा कि पार्टी सही दिशा में आगे बढ़ रही है और पूरी तरह व्यवस्थित है।

मद्रास उच्च न्यायालय ने टीवीके विधायक को शपथ-ग्रहण से रोकने संबंधी याचिका पर फैसला सुरक्षित रखा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मद्रास उच्च न्यायालय ने सोमवार को उस याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया, जिसमें तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) के नवनिर्वाचित विधायक आर. श्रीनिवास सेतुपति को शपथ लेने से रोकने का अनुरोध किया गया था। टीवीके उम्मीदवार तिरुपत्तूर विधानसभा सीट से मात्र एक वोट के अंतर से विजयी घोषित हुआ है। यह याचिका द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (द्रमुक) नेता एवं पूर्व मंत्री के. आर. पेरियाकरुप्पन ने दायर की थी। उन्होंने शिवगंगा जिले की तिरुपत्तूर विधानसभा सीट से चुनाव लड़ा था। उनके खिलाफ टीवीके उम्मीदवार सेतुपति चुनाव मैदान में थे।

न्यायमूर्ति एल. विक्टोरिया गौरी और न्यायमूर्ति एन. सेंथिलकुमार की अवकाशकालीन पीठ ने दोनों पक्षों की विस्तृत दलीलें सुनने के बाद आदेश सुरक्षित रख लिया। चुनाव परिणाम में टीवीके उम्मीदवार को 83,365 वोट मिले, जबकि द्रमुक प्रत्याशी को 83,364 वोट मिले। इस तरह टीवीके उम्मीदवार मात्र एक वोट के अंतर से विजयी घोषित हुए।

अन्नाद्रमुक के सदस्य विधायकों के शपथ ग्रहण समारोह में दो समूहों में पहुंचे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। अन्नाद्रमुक के नव निर्वाचित सदस्य सोमवार को 17वीं तमिलनाडु विधानसभा के शपथ ग्रहण समारोह में दो समूहों में आए, जिससे अप्रैल में हुए विधानसभा चुनाव के बाद पार्टी में मतभेद का संकेत मिलता है। पूर्व राज्य मंत्रियों के. पी. मुनुसामी और थलवई एन. सुंदरम सहित नवनिर्वाचित विधायकों का एक समूह विधायक पद की शपथ लेने के लिए पार्टी महासचिव एडप्पाडी के. पलानीस्वामी के साथ विधानसभा पहुंचा। कुछ ही समय बाद पूर्व राज्य मंत्री एस. पी. वेलुमणि के नेतृत्व में और पूर्व मंत्री सी. विजयभास्कर के साथ एक अन्य समूह वहां पहुंचा। पूर्व मंत्री सी. वी. शनमुगम समय पर नहीं पहुंच सके।

ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) के सदस्य आमतौर पर विधानसभा भवन के प्रवेश द्वार पर एकत्रित होकर एक साथ प्रवेश करते हैं, लेकिन आज उन्होंने ऐसा नहीं किया। राज्य में 23 अप्रैल के विधानसभा चुनाव में खराब प्रदर्शन के बाद अन्नाद्रमुक में नेतृत्व परिवर्तन की चर्चाओं के बीच नवनिर्वाचित विधायकों के शपथ ग्रहण समारोह के दौरान एक भावुक दृश्य देखने को मिला।

शपथ लेते समय पनरुटी से अन्नाद्रमुक विधायक के. मोहन विधानसभा कक्ष में पूर्व मुख्यमंत्री जे. जयललिता के चित्र को देखकर भावुक हो गए और रो पड़े। सदन में पूर्व मुख्यमंत्रियों के चित्र लगाए गए थे, जिनमें जयललिता का चित्र भी शामिल था। मोहन ने शपथ के दौरान माननीय क्रांतिकारी नेता अम्मा कहते हुए उन्हें याद किया और भावुक होकर अपनी शपथ पूरी की तथा बाद में हस्ताक्षर किए। इस तरह नवनिर्वाचित विधायकों का औपचारिक शपथ ग्रहण पूरा हुआ। इससे पहले तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने विधायक के रूप में सबसे पहले शपथ ली।

अदालत ने पूर्व मंत्री जोशी को न्यायिक हिरासत में भेजा

जयपुर/दक्षिण भारत। राजस्थान की एक स्थानीय अदालत ने जल जीवन मिशन (जेजेएम) में कथित घोटाले के मामले में गिरफ्तार पूर्व मंत्री महेश जोशी को सोमवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने जोशी को सात मई को गिरफ्तार किया था और वह पुलिस हिरासत में थे।

हिरासत की अवधि पूरी होने पर जोशी को आज यहां एसीबी की अदालत में पेश किया गया। अदालत ने उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। उल्लेखनीय है कि गत कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में जब यह कथित घोटाला हुआ तो जोशी जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग (पीएचईडी) मंत्री थे।

इससे पहले अप्रैल 2025 में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने भी इसी कथित घोटाले से जुड़े धनशोधन के एक मामले में जोशी को गिरफ़्तार किया था। वह करीब सात महीने तक जेल में रहे जिसके बाद दिसंबर में उच्चतम न्यायालय ने उन्हें जमानत दे दी थी।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत की सांस्कृतिक चेतना को मिली नई ऊर्जा : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर्र। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि सोमनाथ मंदिर भारत की सनातन संस्कृति, राष्ट्रीय स्वाभिमान और अटूट आस्था का प्रतीक है। सोमनाथ मंदिर पर विदेशी आक्रांताओं ने अनेक बार आक्रमण किए। मंदिर में लूटपाट की गई, लेकिन यह मंदिर हर बार और अधिक भव्यता एवं स्वाभिमान के साथ पुनः स्थापित हुआ। उन्होंने कहा कि हमें हमारी समृद्ध विरासत, संस्कृति और स्वाभिमान को संजोते हुए आगामी पीढ़ी तक पहुंचाना है। उन्होंने युवाओं से भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों को अपनाकर सशक्त और आत्मनिर्भर भारत निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री सोमवार को झारखंड महादेव मंदिर में आयोजित 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान गुजरात के सोमनाथ मंदिर में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित हुए सोमनाथ अमृत महोत्सव में मुख्यमंत्री वीसी के माध्यम से जुड़े और प्रधानमंत्री के संबोधन को सुना।

सोमनाथ मंदिर पुनर्निर्माण के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गुजरात के सोमनाथ मंदिर पहुंचे। प्रधानमंत्री का मंदिर मार्ग पर शंख और डमरू वादन के साथ भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान उन्होंने सोमनाथ मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना की एवं देश की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। सोमनाथ अमृत महोत्सव के अवसर पर आकाश में गौरव और शौर्य का अद्भुत संगम देखने को मिला। भारतीय वायु सेना की सूर्य किरण एरोबेटिक टीम ने सोमनाथ मंदिर के ऊपर अपने फ्लाईपास्ट से केसरिया और तिरंगे की आभा बिखेरी। प्रधानमंत्री ने सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि भी दी। इस दौरान प्रधानमंत्री ने कहा कि सोमनाथ अमृत-महोत्सव, अतीत का उत्सव ही नहीं, बल्कि अगले एक हजार वर्षों के लिए भारत की प्रेरणा का महोत्सव भी है। उन्होंने कहा कि आज भारत आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहा है, उसमें हमारी इस सांस्कृतिक निरंतरता की भी बहुत बड़ी भूमिका है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंगों में प्रथम ज्योतिर्लिंग सोमनाथ करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है। सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में देशभर में यह आयोजन श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। साथ ही, हर जिले में इस कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आजादी के समय लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल ने सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण का संकल्प लिया था। उनका मानना था कि यह मंदिर भारत के आत्मसम्मान का प्रतीक है। वर्ष 1951 में भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद द्वारा इस मंदिर की समारोहपूर्वक प्राण प्रतिष्ठा करवाई गई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश में 'विकास भी, विरासत भी' की संकल्पना को धरातल पर साकार किया जा रहा है। देशभर में धार्मिक स्थानों के विकास कर सनातन संस्कृति के उत्थान का कार्य किए जा रहे हैं। अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, केदारधाम पुनर्विकास, महाकाल लोक तथा धार्मिक स्थलों में विकास कार्यों के माध्यम से भारत की सांस्कृतिक चेतना को नई ऊर्जा मिली है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री स्वयं सोमनाथ ट्रस्ट के अध्यक्ष हैं तथा उन्होंने सोमनाथ मंदिर के विकास एवं संरक्षण के लिए भी उल्लेखनीय कार्य किए हैं। उन्होंने इस अवसर पर अगले 1 हजार दिनों के लिए विशेष पूजा की घोषणा भी की है।

उन्होंने कहा कि पिछले सवा दो साल में राज्य सरकार ने प्रदेश में आध्यात्मिक उत्थान एवं धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए अनेक निर्णय लिए हैं। पुष्कर, खाटूश्यामजी, नाथद्वारा, केशोरायपाटन, डीग और चित्तौड़गढ़ जैसे धार्मिक एवं हेरिटेज शहरों में हेरिटेज वॉक-वे निर्माण, किराडू के मंदिर समूह का संरक्षण एवं जीर्णोद्धार के कार्य, पुष्कर, खाटूश्याम जी, देशनोक, डिग्गी में मुख्य प्रवेश मार्ग को मॉडल के रूप में विकास सहित धार्मिक स्थलों पर श्रद्धालुओं के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं। साथ ही वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना के तहत हजारों वरिष्ठजनों को हवाई एवं एसी ट्रेन के माध्यम से तीर्थ यात्रा का लाभ दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सोमनाथ मंदिर का भव्य निर्माण हमें याद दिलाता है कि सृजन की शक्ति विनाश से कहीं अधिक प्रबल होती है। हमारी संस्कृति का स्वभाव है कि हम झुकते नहीं, टूटते नहीं, बल्कि हर चुनौती के बाद और अधिक मजबूती से खड़े होते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वच्छता, ईमानदारी, शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण, महिला सम्मान और राष्ट्रसेवा हमारी समृद्ध विरासत का हिस्सा हैं। इससे पहले मुख्यमंत्री ने झारखंड महादेव मंदिर में वैदिक मंत्रोच्चार एवं विधि-विधान के साथ भगवान शिव का जलाभिषेक, पंचामृत अभिषेक एवं पूजा-अर्चना की। उन्होंने देश-प्रदेश की सुख-समृद्धि एवं कल्याण के लिए कामना की। इस अवसर पर उद्योग मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़, संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत, विधायक चंद्रभान सिंह आक्या एवं गोपाल शर्मा सहित अन्य गणमान्य जन उपस्थित रहे।

राजस्थान के अनेक इलाकों में भीषण गर्मी की चेतावनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मौसम विभाग ने इस सप्ताह राज्य के कई इलाकों में भीषण गर्मी (हीटवेव) पड़ने की चेतावनी देते हुए कहा है कि आने वाले दिनों में तापमान और बढ़ेगा। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार, इस समय दक्षिण-पश्चिमी राजस्थान के कुछ भागों में अधिकतम तापमान 45-47 डिग्री सेल्सियस के मध्य दर्ज किया जा रहा है। रविवार दिन में अधिकतम तापमान बाड़मेर में 46.8 डिग्री सेल्सियस रहा।

राज्य के ज्यादातर भागों में आगामी दिनों में न्यूनतम व अधिकतम तापमान में हल्की बढ़ोतरी होने की संभावना है। जोधपुर, बीकानेर संभाग के कुछ भागों में आगामी 4-5 दिन 'हीटवेव' व ऊष्णरात्री दर्ज होने का अनुमान है। वहीं दक्षिण-पूर्वी भागों में भी आगामी दिनों में अधिकतम तापमान 43 से 45 डिग्री के बीच दर्ज होने व कहीं-कहीं हीटवेव, ऊष्णरात्री रहने की संभावना।

इसी तरह आगामी 48 घंटों के दौरान बीकानेर संभाग, शेखावाटी क्षेत्र, जयपुर व भरतपुर संभाग के उत्तरी भागों में कहीं-कहीं बादल छाये रहने, 40-50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी चलने व हल्की बूंदाबांदी होने की संभावना है।

कड़ेल गांव में पैदल घूमे और लोगों से मिले मुख्यमंत्री शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सोमवार सुबह अजमेर जिले के कड़ेल गांव में पैदल घूमे और ग्रामीण से संवाद कर सरकार की योजनाओं के बारे में उनसे जानकारी ली। शर्मा ने रविवार रात इस गांव में चौपाल लगाकर ग्रामीणों से संवाद किया था। वहीं सोमवार सुबह की सैर में वे एक बार फिर आम लोगों के बीच पहुंचे। गांव की गलियों में घूमते हुए उन्होंने बुजुर्गों से आशीर्वाद लिया तथा महिलाओं, किसानों, पशुपालकों, युवाओं, फल एवं सब्जी विक्रेताओं और सफाईकर्मियों से बातचीत की।

इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों से राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन पर प्रतिक्रिया ली और आमजन की समस्याओं को से सुना। मुख्यमंत्री को अपने बीच पाकर ग्रामीणों में विशेष उत्साह दिखाई दिया। मुख्यमंत्री ने बच्चों से भी उनकी पढ़ाई-लिखाई की जानकारी ली। आधिकारिक बयान के अनुसार, शर्मा ने गांव के प्राचीन शेषनाग भगवान मंदिर में दर्शन कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, खुशहाली एवं उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। मंदिर परिसर में भी उन्होंने श्रद्धालुओं से भी संवाद किया।

मुख्यमंत्री ने किसानों से गुलाब, आंवला, लेसवा, जामुन और प्याज सहित स्थानीय कृषि उत्पादों एवं पारंपरिक खेती की पद्धतियों पर चर्चा की। उन्होंने किसानों को आधुनिक, वैज्ञानिक एवं नवाचार आधारित कृषि तकनीकों को अपनाने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि उन्नत कृषि पद्धतियों और जल संरक्षण आधारित प्रयासों से उत्पादन और आय में उल्लेखनीय वृद्धि संभव है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार किसानों और ग्रामीण क्षेत्रों के समग्र विकास के लिए संवेदनशीलता, प्रतिबद्धता और जवाबदेही के साथ काम कर रही है।

मुख्यमंत्री ने गांव में लंबित राजस्व प्रकरणों की जानकारी लेते हुए अधिकारियों को विशेष शिविर आयोजित कर राजस्व वादों का समयबद्ध, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आमजन को त्वरित राहत पहुंचाना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है।

गांव में भ्रमण के दौरान मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों के साथ बैठकर चाय भी पी तथा गांव के विकास, खेती-किसानी, शिक्षा और दैनिक जीवन से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की। इसके अनुसार, ग्रामीणों द्वारा प्रस्तुत समस्याओं और मांगों को गंभीरता से सुनते हुए मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को त्वरित एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

ग्रामीणों की मांग पर मुख्यमंत्री ने गांव के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में क्रमोन्नत करने की घोषणा की। साथ ही, परिवहन सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए अतिरिक्त बस संचालन सुनिश्चित करने तथा बालिका विद्यालय की चारदीवारी निर्माण के लिए भी अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

किसान व पशुपालकों के कल्याण के लिए सरकार प्रतिबद्ध : दिया कुमारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जयपुर जिले की चौमू तहसील की ग्राम पंचायत मोरीजा में ग्राम रथ अभियान के तहत उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी की अध्यक्षता में संध्या चौपाल का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार अंतिम पंक्ति में बैठे व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाने के संकल्प के साथ योजनाओं को धरातल तक पहुंचा रही है। उन्होंने ग्राम रथ अभियान को जन-जन तक सरकार की योजनाओं और ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट-2026 के प्रचारप्रसार का सशक्त माध्यम बताया।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि यशस्वी मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व प्रदेश सरकार कृषि, किसान व पशुपालकों क कल्याण के लिए प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। उन्होंने इस दौरान ग्रामीणों की परिवेदनाएं पूर्ण संवेदनशीलता से सुनी एवं उनके त्वरित निस्तारण के निर्देश संबंधित विभागीय अधिकारियों को प्रदान किये।

इस दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधियों द्वारा चौमूँ उपखण्ड में विभिन्न सडकों के निर्माण एवं स्टेट हाइवे के निर्माण की स्वीकृति बाबत माननीया उपमुख्यमंत्री का आभार प्रकट किया गया एवं चौमू-दूदू स्टेट हाइवे को फोरलेन हाइवे स्वीकृत करने बाबत मांग की। इस दौरान कला जत्था के स्थानीय कलाकारों ने नृत्य व गायन के अनुठे अंदाज में बेहतरीन प्रस्तुतियों से राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं व ग्राम के बारे में आमजन को जानकारी प्रदान की।

प्रौद्योगिकी के साथ भारतीय ज्ञान परम्परा से नई पीढ़ी जुड़े : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने विज्ञान एवं तकनीक का उपयोग समृद्ध और स्वस्थ जीवन हेतु किए जाने का आह्वान करते हुए कहा कि केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक अभियांत्रिकी अनुसन्धान संस्थान सीरी अनाज, सब्जियों में पेस्टीसाइड, केमिकल आदि की जांच के लिए भी उपकरण बनाने की पहल करे। उन्होंने कहा कि जो खाद्यान्न हम उपयोग में लेते हैं, उनमें कितना विषाक्त है, इसके परीक्षण से जुड़े उपकरण इस समय में सबसे बड़ी आवश्यकता है। बागड़े ने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के आधुनिक विकास के साथ भारतीय ज्ञान दृष्टि की समृद्ध परम्परा से जुड़ने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारत विज्ञान में आरम्भ से ही समृद्ध रहा है। खगोल, गणित, धातु विज्ञान, आयुर्वेद और वास्तुकला जैसे विभिन्न क्षेत्रों में भारत ने ही विश्व को मौलिक खोजें और विकास के सूत्र प्रदान किए हैं।

राज्यपाल सोमवार को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस पर केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक अभियांत्रिकी अनुसन्धान संस्थान सीरी के जयपुर स्थित कार्यालय में विज्ञान भारती के सहयोग से आयोजित समारोह में सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने खाद्य एवं पेय पदार्थों में मिलावट और नशे की लत से बचाव में भी प्रौद्योगिकी के उपयोग की आवश्यकता जताई। शून्य की खोज भारत द्वारा की गई खोज और उससे विश्व को मिले गणना ज्ञान की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि अजंता गुफाओं के चित्रों में बरते रंग आज भी प्राचीन रंगों की वैज्ञानिक दृष्टि की हमारी धरोहर है।

उन्होंने कहा दूध में पानी की मिलावट को जांचने के लिए हंसा टेस्ट किया जाता है। यह हमारे पक्षी विज्ञान की दृष्टि का आविष्कार है। उन्होंने महर्षि अरविंद की चर्चा करते हुए नई पीढ़ी की बौद्धिक क्षमता बढ़ाए जाने के लिए कार्य करने पर जोर दिया।

बागड़े ने कहा कि नैतिक मूल्य और प्रतिबद्धता के बगैर जीवन की सार्थकता नहीं है। उन्होंने कहा कि विज्ञान के साथ हमें आदमी गढ़ने पर भी ध्यान देने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि भारत धातु विज्ञान से तब से जुड़ा हुआ है, जब दूसरे देशों को इसका ज्ञान ही नहीं मिलता था। उन्होंने प्राचीन प्रतिमाओं में स्वर्ण आभूषण उकेरे जाने का उल्लेख करते हुए कहा कि डलहौजी भारत आया तो 17 जहाज भरके सोना ले गया था। इससे पहले राज्यपाल ने राजस्थान विज्ञान महोत्सव 2026 की स्मारिका का लोकार्पण किया और पोस्टर का विमोचन किया। उन्होंने सीरी की प्रयोगशाला में विकसित उपकरणों को भी देखा।

विज्ञान भारती के सचिव मेघेंद्र शर्मा ने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के आलोक में विज्ञान की उपलब्धियों की चर्चा करते हुए बताया कि विज्ञान भारती द्वारा रीको औद्योगिक क्षेत्र में पौधे लगाने के साथ उनका संरक्षण भी किया गया है। उन्होंने बताया कि पर्यावरण संरक्षण से जुड़े विज्ञान से जनजन को जोड़ने में भी विज्ञान भारती निरंतर कार्य कर रही है। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक अभियांत्रिकी अनुसन्धान संस्थान के निदेशक पीसी पंचारिया ने कार्यक्रम के महत्व पर प्रकाश डाला।

रेख संस्थाओं के सुढ़ीकरण एवं गुणवत्ता सुधार के दिए दिया कुमारी ने निर्देश

जयपुर। उपमुख्यमंत्री एवं बाल अधिकारिता विभाग मंत्री दिया कुमारी की अध्यक्षता में सोमवार को शासन सचिवालय में बाल अधिकारिता विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभाग की संस्थागत एवं गैर-संस्थागत देखरेख योजनाओं, मिशन वात्सल्य, स्पॉन्सरशिप योजना, चाइल्ड हेल्पलाइन (1098), बाल विवाह मुक्त राजस्थान अभियान तथा वर्ष 2026-27 की बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की गई।

बैठक में राज्य में बाल अधिकार एवं संरक्षण को और अधिक सुदृढ़ बनाने हेतु विभागीय योजनाओं के प्रभावी संचालन एवं क्रियान्वयन पर विस्तार से चर्चा की गई। उपमुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि

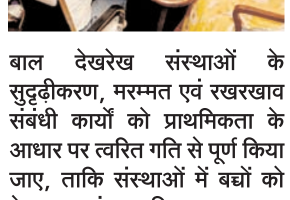

बाल देखरेख संस्थाओं के सुदृढ़ीकरण, मरम्मत एवं रखरखाव संबंधी कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर त्वरित गति से पूर्ण किया जाए, ताकि संस्थाओं में बच्चों को बेहतर एवं सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराया जा सके। उन्होंने चाइल्ड हेल्पलाइन (1098) को और अधिक प्रभावी बनाते हुए शिकायतों के त्वरित निस्तारण तथा जरूरतमंद बच्चों तक समयबद्ध सहायता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बाणियावास में ग्राम रथ अभियान के तहत ग्रामविकास रात्रि चौपाल आयोजित

जयपुर/दक्षिण भारत।पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान विभाग मंत्री जोराराम कुमावत ने रविवार को सुमेरपुर विधानसभा क्षेत्र के गांव बाणियावास में ग्राम रथ अभियान के अंतर्गत रात्रि चौपाल में किसानों और युवाओं से संवाद किया। चौपाल में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लेकर अपनी समस्याएं एवं सुझाव मंत्री के समक्ष रखे। मंत्री कुमावत ने कहा कि राज्य सरकार गांव-गांव तक विकास पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है और ग्राम रथ अभियान इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने पशुपालन एवं डेयरी क्षेत्र में सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी देते हुए ग्रामीणों को उनका अधिकतम लाभ उठाने का आह्वान किया।

कुमावत ने कहा कि यह चौपाल केवल एक कार्यक्रम

नहीं है, बल्कि सरकार और जनता के बीच सीधा संवाद का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि राजस्थान सरकार का उद्देश्य है कि हर गांव, हर ढाणी तक विकास की किरण पहुंचे। पशुपालन, गोपालन और डेयरी क्षेत्र हमारे ग्रामीण जीवन की रीढ़ हैं।

फसली ऋण की राशि में अनियमितता की शिकायत पर व्यवस्थापक निलंबित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सहकारिता विभाग के शासन सचिव डॉ. समित शर्मा ने सोमवार को शासन सचिवालय स्थित राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन (181) का निरीक्षण कर विभाग से संबंधित प्रकरणों एवं शिकायतों की समीक्षा की। उन्होंने हेल्पलाइन के माध्यम से परिवादियों से संवाद कर उनकी शिकायतें सुनीं और तत्काल निस्तारण करवाया। शासन सचिव ने विभागीय अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि संपर्क पोर्टल पर दर्ज शिकायतों का त्वरित, समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। डॉ. शर्मा ने कहा कि सहकारिता विभाग की जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए संपर्क पोर्टल पर दर्ज शिकायतों की नियमित मॉनिटरिंग एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण अत्यंत आवश्यक है।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक परिवादी को समयबद्ध एवं तथ्यात्मक जवाब उपलब्ध करवाया जाए। शिकायतों के निस्तारण में केवल औपचारिक जवाब देने की बजाय समस्याओं का व्यवहारिक समाधान सुनिश्चित किया जाए, ताकि आमजन का सहकारिता तंत्र पर विश्वास और अधिक मजबूत हो सके। उन्होंने कहा कि विभागीय अधिकारियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर शिकायत समाधान की प्रक्रिया को और अधिक प्रभावी बनाया जाए। संवाद के दौरान अलवर जिले से परिवादी ने बताया कि महाराजावास ग्राम सेवा सहकारी समिति के व्यवस्थापक ने उन्हें अल्पकालीन फसली ऋण की स्वीकृत पूरी राशि उपलब्ध नहीं करवाई।

तकनीक समय की तरह है, जो इसके साथ नहीं चला वह पिछड़ गया : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को 'राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस' के अवसर पर युवाओं को नसीहत देते हुए कहा कि तकनीक समय की तरह है और जो इसके साथ नहीं चला वह पिछड़ जाएगा।

मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर प्रदेशवासियों को खुला पत्र साझा करते हुए कहा कि तकनीक केवल विकास का माध्यम नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता का सशक्त आधार है। उन्होंने अपने संदेश में कहा, मेरे युवा साथियों, तकनीक समय की तरह है। तकनीक के साथ नहीं चलना, समय से पिछड़ जाना है। तकनीक के साथ चलने का अर्थ सुदृढ़ वर्तमान एवं स्वर्णिम भविष्य की दिशा में अग्रसर होना है। नवीनतम तकनीक सीखें, नवाचार अपनाएं एवं आत्मनिर्भर प्रदेश के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाएं। 'योगी की पाती' शीर्षक से लिखी गई चिट्ठी में मुख्यमंत्री ने कहा कि हर वर्ष 11 मई को 'राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस' मनाया जाता है लेकिन यह तिथि यूं ही नहीं चुनी गई। आदित्यनाथ ने लिखा, वर्ष 1998

में इसी दिन पोखरण में 'ऑपरेशन शक्ति' के अंतर्गत भारत ने तीन सफल परमाणु परीक्षण कर विश्व को अपनी वैज्ञानिक प्रतिभा, तकनीकी आत्मविश्वास और राष्ट्रीय सामर्थ्य का बोध कराया। इसी दिन स्वदेशी विमान 'हंस-3' ने सफल उड़ान भरी, तो स्वदेशी 'त्रिशूल' मिसाइल का परीक्षण भी हुआ। तकनीक केवल विकास का माध्यम नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता का सशक्त आधार है। उप्र सरकार इसी मंत्र पर आगे बढ़ रही है। आज तकनीक प्रयोगशाला से निकलकर खेत-खलिहान तक पहुंच गई है और इससे जनजीवन सुगम हुआ है। ऑनलाइन स्व-गणना की सुविधा इसी तकनीक का प्रतिफल है। मुख्यमंत्री ने पत्र में अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला का भी जिक्र करते हुए कहा, उप्र के सपूत शुभांशु शुक्ला ने गत वर्ष सफल अंतरिक्ष उड़ान से 140 करोड़ भारतीयों का सीना गर्व से चौड़ा किया, तो यह तकनीक का ही चमत्कार है। इससे हमें प्रेरणा लेनी चाहिए। उन्होंने अपनी सरकार द्वारा चलाई जा रही प्रौद्योगिकी आधारित योजनाओं का भी जिक्र करते हुए पत्र में कहा, इनोवेट इन यूपी, स्केल फॉर द वर्ल्ड के मूलमंत्र के साथ हमारी सरकार ड्रोन, क्वांटम, ग्रीन हाइड्रोजन एवं मेड-टेक के क्षेत्र में प्रगति करते हुए उत्तर प्रदेश को देश का 'डीप टेक कॅपिटल' बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। तकनीक आधारित विकास की इस यात्रा में उत्तर प्रदेश आज आईटी पार्क, स्टार्टअप्स और मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र में अग्रणी राज्य है। यहां ब्रह्मोस मिसाइल तक बन रही है।

महिला अभ्यर्थियों को आंदोलन करने की जरूरत नहीं, बिहार सरकार उनके साथ : शिक्षा मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के शिक्षा मंत्री मिथिलेश कुमार तिवारी ने सोमवार को कहा कि शिक्षक भर्ती परीक्षा की महिला अभ्यर्थियों को आंदोलन करने की जरूरत नहीं है, क्योंकि राज्य सरकार उनके अधिकारों के समर्थन में मजबूती से खड़ी है। बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) की शिक्षक भर्ती परीक्षा-4 (टीआरई-4) के अभ्यर्थियों ने भर्ती परीक्षा की अधिसूचना जारी करने में हो रही देरी के विरोध में शुक्रवार को पटना में प्रदर्शन किया था। बिहार में बीपीएससी टीआरई-4 परीक्षा के जरिये 46 हजार से अधिक पदों पर नियुक्ति किए जाने की उम्मीद है, लेकिन यह परीक्षा अप्रैल 2026 की प्रारंभिक समयसीमा के बावजूद आयोजित नहीं की गई है।

पुलिसकर्मियों के महिला प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज करने के बारे में पूछे जाने पर शिक्षा मंत्री ने कहा, आंदोलन की क्या जरूरत है। हमारी बेटियां हमारी ताकत हैं और राष्ट्र की समृद्धि की आधारशिला हैं। जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी खुद 'नारी शक्ति वंदन' के समर्थन में हैं, तो महिला अभ्यर्थियों को सड़कों पर उतरने की क्या जरूरत है। पटना पुलिस ने शुक्रवार को विरोध मार्च निकाल रहे अभ्यर्थियों को तितर-बितर करने के लिए हल्का बल प्रयोग और लाठीचार्ज किया था।

सोमनाथ मंदिर भारत की आत्मा और राष्ट्रीय स्वाभिमान का प्रतीक : रेखा गुप्ता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को कहा कि 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' भारत के सनातन धर्म, सांस्कृतिक चेतना और राष्ट्रीय आत्मसम्मान का प्रतीक है। गुप्ता ने गुजरात में सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर चांदनी चौक स्थित गौरी शंकर मंदिर में पूजा-अर्चना की।

गुप्ता ने कैबिनेट मंत्रियों परवेश साहिब सिंह, मंजिंदर सिंह सिरसा और कपिल मिश्रा के साथ गुजरात के सोमनाथ से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के राष्ट्र के नाम संबोधन का सीधा प्रसारण भी देखा।

गुप्ता ने कहा कि 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' भारत की सनातन आस्था, सांस्कृतिक चेतना और राष्ट्रीय स्वाभिमान का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि सदियों तक हुए आक्रमणों और विध्वंस के बावजूद सोमनाथ को लेकर आस्था कभी नहीं झुकी और हर बार भारत की आध्यात्मिक शक्ति ने स्वयं को स्थापित किया।

गुप्ता ने कहा कि सोमनाथ केवल एक मंदिर नहीं, बल्कि भारत की आत्मा, संस्कृति और आध्यात्मिक चेतना का प्रतीक है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के 'विकास भी, विरासत भी' के दृष्टिकोण के तहत देश आधुनिक विकास की राह पर आगे बढ़ रहा है और साथ ही अपनी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत को भी संरक्षित कर रहा है।

पुनर्निर्मित मंदिर को 1951 में श्रद्धालुओं के लिए पुनः खोल दिया गया था।

हिमंत असम के मुख्यमंत्री के रूप में लेंगे शपथ; प्रधानमंत्री, राजग के शीर्ष नेता रहेंगे मौजूद

गुवाहाटी/भाषा। असम में मंगलवार को हिमंत विश्व शर्मा के लगातार दूसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने की तैयारी पूरी हो चुकी है। इसके साथ ही राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार का लगातार तीसरा कार्यकाल शुरू होगा। खानापारा के पशु चिकित्सा महाविद्यालय मैदान में होने वाले शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, केंद्रीय मंत्री सर्वानंद सोनोवाल और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के साथ-साथ राजग शासित राज्यों के 40 से अधिक मुख्यमंत्रियों और उपमुख्यमंत्रियों के उपस्थित रहने की संभावना है। राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य पूर्वाह्न 11 बजकर 40 मिनट पर शर्मा और नई मंत्रिपरिषद के सदस्यों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाएंगे।

भाजपा नीत गठबंधन के 2016 में तत्कालीन मुख्यमंत्री सर्वानंद सोनोवाल के नेतृत्व में पहली बार सत्ता में आने के बाद से यह राज्य में राजग का लगातार तीसरा कार्यकाल होगा। राजग में भाजपा, असम गण परिषद (अगप) और बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) शामिल हैं। गठबंधन ने 126 सदस्यीय विधानसभा में रिकॉर्ड 102 सीट पर जीत दर्ज की। भाजपा ने अकेले 82 सीट जीतकर राज्य में पहली बार अपने दम पर बहुमत हासिल किया, जबकि अगप और बीपीएफ को 10-10 सीट मिलीं। शर्मा के साथ ही मंत्रिपरिषद के नए सदस्यों के शपथ ग्रहण करने की भी संभावना है, जिसमें सभी गठबंधन सहयोगियों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। शपथ ग्रहण समारोह के बाद शर्मा द्वारा नई सरकार के पहले 100 दिन की प्राथमिकताओं को प्रस्तुत करने की उम्मीद है। इनमें भूमि अधिकारों और अतिक्रमण हटाने के अभियानों से संबंधित प्रतिबद्धताएं भी शामिल होंगी। यह प्रचंड चुनावी जीत 'पहचान, भूमि और सुरक्षा' के मुद्दों को उठाते हुए चलाए गए प्रचार अभियान के बाद मिली है।

आगामी वर्षों में बिहार का पूरा आधारभूत ढांचा बदल जाएगा : सम्राट चौधरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सोमवार को कहा कि आने वाले वर्षों में विभिन्न संपर्क परियोजनाओं के जरिए राज्य के पूरे आधारभूत ढांचे में व्यापक बदलाव देखने को मिलेगा। वह पटना के मंदिरी इलाके में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नेता नितिन नवीन के दिवंगत पिता नवीन किशोर सिन्हा के नाम पर पटना के मंदिरी नाला को ढक कर बनाई गई सड़क ''नवीन किशोर सिन्हा पथ'' के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे।

नवीन किशोर प्रसाद सिन्हा पटना पश्चिम विधानसभा क्षेत्र से चार बार भाजपा विधायक रहे थे। मंदिरी क्षेत्र से गांधी मैदान के निकट काली मंदिर तक जाने वाले नवीन सिन्हा पथ का उद्घाटन करने के बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि अगले चरण में इस सड़क को 31 मार्च, 2027 तक मरीन ड्राइव से जोड़ दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा, ''मंदिरी क्षेत्र लंबे समय से भीषण यातायात जाम की समस्या से जूझ रहा था। यह वैकल्पिक मार्ग पूरे इलाके की तस्वीर बदल देगा। नाले की वजह से वर्षों तक परेशान रहने वाले लोग अब इस क्षेत्र को एक व्यावसायिक केंद्र के रूप में विकसित होते देखेंगे।'' चौधरी ने पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और नितिन नवीन को मंदिरी नाले के ऊपर चार लेन सड़क निर्माण परियोजना शुरू करने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि इस परियोजना का उद्देश्य संपर्क सुविधा बढ़ाने के साथ-साथ नाले को ढंकना भी था। उन्होंने कहा, ''जब मैं 2014 में शहरी विकास मंत्री था, तब मैंने अशियाना-दीघा नाला पथ का प्रायोगिक निर्माण शुरू कराया था। उस समय नीतीश कुमार जी ने मुझे इस मॉडल को आजमाने के लिए प्रोत्साहित किया था।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि इसी प्रकार की सड़कें सैदपुर और राजीव नगर नालों के ऊपर भी बनाई जा रही हैं। उन्होंने कहा, ''बिहार सरकार पटना के दोनों छोर पर नए शहर विकसित करने की योजना बना रही है। करीब 66,000 एकड़ में पाटलिपुत्र टाउनशिप विकसित करने की योजना है, जबकि गंगा के दूसरी ओर सोनपुर क्षेत्र में भी टाउनशिप निर्माण का कार्य शुरू हो चुका है।''

अरुणाचल प्रदेश में तेजी से पिघल रहा खांगरी हिमनद, बाढ़ का खतरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ईटानगर/भाषा। वैज्ञानिकों ने अपने अध्ययन में पाया है कि अरुणाचल प्रदेश के तवांग जिले में स्थित खांगरी हिमनद के तेजी से पिघलने, अस्थिर भू-भाग के निर्माण और संभावित रूप से खतरनाक एक हिम निर्मित झील के बनने के संकेत मिले हैं, जिससे मागो चू बेसिन के निचले इलाकों में बाढ़ का खतरा उत्पन्न हो सकता है। अधिकारी ने यह जानकारी दी।

यह निष्कर्ष पृथ्वी विज्ञान और हिमालय अध्ययन केंद्र (सीईएसएचएस) द्वारा राष्ट्रीय ध्रुवीय एवं महासागर अनुसंधान केंद्र और नॉर्थ ईस्टर्न रीजनल इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के सहयोग से किए गए पांचवें खांगरी हिमनद अभियान के दौरान सामने आए। यह वैज्ञानिक अभियान चार मई को सीमा पार तक विस्तृत मागो चू बेसिन में शुरू हुआ, जो ब्रह्मपुत्र बेसिन प्रणाली का एक प्रमुख जलस्रोत क्षेत्र है। इसका उद्देश्य हिमनदों की स्थिति का आकलन, क्रायोस्फीयर निगरानी और पूर्वी हिमालय में जलवायु संबंधी खतरों का अध्ययन करना है। सीईएसएचएस के निदेशक तागे ताना ने कहा कि अध्ययन के दौरान टीम ने खांगरी हिमनद में ''चिंताजनक भू-आकृतिक परिवर्तन'' देखे, जो उच्च हिमालयी क्षेत्र में जलवायु परिवर्तन के बढ़ते प्रभाव को दर्शाते हैं। अध्ययन में पाया कि हिमनद के निचले हिस्से में एक बड़ा धंसाव क्षेत्र विकसित हो रहा है, जहां हिमनद तेजी से टूट रहा है और अस्थिर भू-भाग की स्थिति बन रही है। वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी कि ऐसी अस्थिरता से भूस्खलन और मागो चू बेसिन में निचले क्षेत्रों के लिए जोखिम बढ़ सकता है। वैज्ञानिकों की टीम ने लगभग 16,500 फुट की ऊंचाई पर एक नई झील का भी पता लगाया है, जो हिमनद के आगे बनने वाली झील (प्रोग्लेशियल लेक) है।

दूल्हे की तबीयत बिगड़ने पर दुल्हन पक्ष ने शादी से इनकार किया, बारात लौटी

एटा/भाषा। उत्तर प्रदेश के एटा जिले के सकीट थाना क्षेत्र में दूल्हे की तबीयत अचानक बिगड़ने पर दुल्हन पक्ष ने मेडिकल रिपोर्ट मांगते हुए शादी से इनकार कर दिया। पुलिस सूत्रों ने सोमवार को बताया कि काफी मान-मनौव्वल के बावजूद बात नहीं बनने पर बारात लौट गई। सूत्रों के मुताबिक, कोतवाली देहात क्षेत्र के कठोली गांव के रहने वाले युवक का रिश्ता सकीट थाना क्षेत्र के नगला फुले गांव के विजय सिंह की बेटी से तय हुआ था।

सूत्रों ने बताया कि रविवार शाम सकीट स्थित सोनू गेस्ट हाउस में बारात पहुंची, लेकिन शादी की रस्में शुरू होने के दौरान दूल्हा कुर्सी पर ठीक से बैठ नहीं पाया और अचानक नीचे गिर पड़ा, जिससे वहां अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूत्रों के अनुसार, मौके पर मौजूद लोगों ने दूल्हे को संभालने का प्रयास किया और पानी पिलाया, लेकिन दुल्हन पक्ष के लोगों ने दूल्हे की सेहत को लेकर सवाल उठाने शुरू कर दिए और उसकी मेडिकल रिपोर्ट मांगी। सूत्रों ने बताया कि दुल्हन की मां ने आरोप लगाया कि वर पक्ष ने दूल्हे की बीमारी की बात उनसे छिपाई थी। उन्होंने बताया कि इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच बहस और विवाद होने लगा। सूत्रों ने बताया कि दोनों पक्षों के बीच समझौते की कोशिशें रात भर जारी रहीं, लेकिन दुल्हन और उसके परिजन शादी न करने के अपने फैसले पर कायम रहे, जिसके बाद बारात लौट गई।

बंगाल सरकार ने बांग्लादेश से लगी सीमा पर बाड़बंदी के लिए बीएसएफ को भूमि हस्तांतरण की मंजूरी दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने सोमवार को कई महत्वपूर्ण प्रशासनिक और नीतिगत उपायों की घोषणा की, जिनमें राज्य को केंद्र की आयुष्मान भारत स्वास्थ्य योजना में शामिल करना, सीमा पर बाड़ लगाने के लिए बीएसएफ को भूमि का हस्तांतरण और बीएनएस आपराधिक कानून को लागू करना शामिल है।

ये निर्णय पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार के मंत्रिमंडल की पहली बैठक के दौरान लिए गए, जिसकी अध्यक्षता अधिकारी ने की और जिसमें शपथ लेने वाले पांच मंत्रियों के साथ-साथ वरिष्ठ नौकरशाह भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने संवाददाता सम्मेलन में बताया कि बंगाल अब आयुष्मान भारत योजना का हिस्सा बन जाएगा, साथ ही प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना, किसानों को फसल बीमा प्रदान करने वाली प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, सरकारी स्कूलों के उन्नयन के लिए प्रधानमंत्री स्कूल्स फॉर राइजिंग इंडिया (पीएम श्री) योजना और कारीगरों एवं शिल्पकारों को समर्थन देने वाली प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना जैसी कई अन्य केंद्रीय कल्याणकारी परियोजनाओं का भी हिस्सा होगा। राज्य में महिलाओं की शिक्षा और सशक्तीकरण के लिए 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' योजना और रियायती दरों पर खाना पकाने के रसोई गैस प्रदान करने वाली उज्ज्वला 3.0 योजना भी लागू की जाएगी।

आरोप है कि ममता बनर्जी के पूर्व शासनकाल में राजनीतिक कारणों से इन सभी योजनाओं को राज्य के लोगों की पहुंच से बाहर रखा गया था। अधिकारी ने कहा, प्रधानमंत्री द्वारा चुनाव प्रचार के दौरान किए गए वादे के अनुसार, हम अब आयुष्मान भारत योजना का हिस्सा हैं। मंत्रिमंडल ने राज्य के मुख्य सचिव, मुख्यमंत्री के सचिव और स्वास्थ्य सचिव को आयुष्मान भारत योजना के तत्काल कार्यान्वयन के लिए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के साथ आवश्यक समझौतों को तैयार करने की निगरानी करने का निर्देश दिया है।

ममता ने पश्चिम बंगाल में कांग्रेस से गठबंधन किया होता, तो यह दशा नहीं होती: तिवारी

मथुरा (उप्र)/ भाषा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रमोद तिवारी ने कहा है कि अगर तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी ने पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव कांग्रेस के साथ गठबंधन में लड़ा होता, तो उन्हें आज ऐसी स्थिति का सामना नहीं करना पड़ता।

तिवारी बांके बिहारी मंदिर में दर्शन करने रविवार को वृंदावन आए थे। उनके साथ उत्तर प्रदेश विधानसभा में कांग्रेस विधायक दल की नेता आराधना मिश्रा भी थीं।

कांग्रेस नेता ने असम और पश्चिम बंगाल में हुए विधानसभा चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और निर्वाचन आयोग पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि देश में लोकतंत्र की हत्या हो रही है और संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग किया जा रहा है। उन्होंने कहा, ''चुनावी प्रक्रियाओं में जिस तरह से केंद्रीय एजेंसियों और केंद्र सरकार द्वारा दखल दिया जा रहा है, यह संविधान के लिए ठीक नहीं है।'' तिवारी ने कहा, ''हमने केरल में विधानसभा चुनाव में जीत दर्ज की और तमिलनाडु में धर्मनिरपेक्षता की रक्षा करने वाले दल का समर्थन किया।''

पश्चिम बंगाल सरकार ने बोर्ड, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों से मनोनीत सदस्यों को हटाने का आदेश दिया

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल सरकार ने सोमवार को सभी विभागों को निर्देश दिया कि वे उनके नियंत्रण में आने वाले गैर-वैधानिक निकायों, बोर्ड, संगठनों और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के मनोनीत सदस्यों, निदेशकों और अध्यक्षों की सेवाएं तत्काल समाप्त कर दें। सरकार ने एक आधिकारिक आदेश में विभागों को उन अधिकारियों और कर्मचारियों की पुनर्नियुक्ति और सेवाकाल विस्तार को समाप्त करने का भी निर्देश दिया है, जो 60 वर्ष की सामान्य सेवानिवृत्ति आयु के बाद भी सेवा में बने हुए हैं।

एक वरिष्ठ नौकरशाह ने कहा, ''सरकार ने राज्य सरकार के विभिन्न बोर्ड, संगठनों, गैर-वैधानिक निकायों और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के मनोनीत सदस्यों, निदेशकों या अध्यक्षों का कार्यकाल तत्काल समाप्त करने के लिए आवश्यक कदम उठाने का आदेश जारी किया है।''

सभी अतिरिक्त मुख्य सचिवों, प्रधान सचिवों और विभागों के सचिवों को संबोधित इस निर्देश में कहा गया है कि ''राज्य सरकार के विभिन्न विभागों में ऐसे अधिकारियों/कर्मचारियों, जो सेवानिवृत्ति की सामान्य आयु (60 वर्ष) के बाद पुनर्नियुक्ति या सेवा-विस्तार पर कार्यरत हैं, उनकी सेवाएं भी तुरंत समाप्त की जा सकती हैं।''

कुश्ती से संन्यास नहीं लूंगी, विनेश ने कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोंडा (उत्तर प्रदेश)/भाषा। विनेश फोगाट ने सोमवार को आरोप लगाया कि भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) में सत्ता में बैठे लोग चाहते हैं कि वह इस खेल को छोड़ दें लेकिन उन्होंने जोर देते हुए कहा कि वह हार स्वीकार नहीं करेंगी और उन्हें अपने मंसूबों में कामयाब नहीं होने देंगी।

डब्ल्यूएफआई ने विनेश को यहां होने वाले राष्ट्रीय ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के लिए तब तक अयोग्य घोषित कर दिया था जब तक उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई पूरी नहीं हो जाती लेकिन वह सोमवार को यहां पहुंचीं और इस बात पर अड़ी रहीं कि वह इस प्रतियोगिता में हिस्सा लेने की पात्र हैं।

डब्ल्यूएफआई अधिकारियों से मिलने के बाद विनेश ने पत्रकारों से कहा, ''आप मेरे से क्या उम्मीद करते हैं? क्या मैं संन्यास ले लूं और दूर हो जाऊं? हार मान लूं? जिससे कि मेरे खिलाफ उनकी साजिश कामयाब हो जाए? वह चाहते हैं कि मैं कुश्ती छोड़ दूं, मैं थक जाऊं, मैं हाथ जोड़ लूं और चली जाऊं। संजय सिंह, बृज भूषण, उनकी टीम, वे सभी जिनका इस पर नियंत्रण है, जिनके पास सत्ता है।''

इस 31 वर्षीय दो बार की विश्व चैंपियनशिप की पदक विजेता ने कहा कि उन्हें डब्ल्यूएफआई

अधिकारियों के खिलाफ आवाज उठाने के लिए सजा दी जा रही है। विनेश ने डब्ल्यूएफआई अधिकारियों द्वारा उनके खिलाफ इस्तेमाल की गई भाषा पर भी सवाल उठाया और कहा कि देश का सर्वोच्च स्तर पर प्रतिनिधित्व करने के बावजूद वह खुद को सुरक्षित महसूस नहीं करतीं। विनेश ने कहा, ''मैंने देश का प्रतिनिधित्व किया है। मैं ओलंपिक में गई हूं, मैंने राष्ट्रमंडल खेलों में खेला है, मैंने विश्व स्तर पर खेला है। आप मुझे 'टुकड़े-टुकड़े गैंग' कह रहे हैं। क्या आपने अपनी भाषा देखी है? क्या आपको लगता है कि मैं वहां सुरक्षित हूं? क्या मेरे लिए वहां कोई सुरक्षित माहौल है?'' उन्होंने कहा, ''शायद वह (डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष संजय सिंह) मुझे आतंकवादी कह रहे हैं। उनकी भाषा में मैं खालिस्तानी भी हो सकती हूं। लेकिन मैं इस देश की एक सम्मानित नागरिक हूं। मुझे लड़ने का अधिकार है। मैं देश के किसी भी हिस्से में जा सकती हूं।''

विनेश ने कहा, ''मैं सुरक्षित महसूस नहीं करती। मुझे बोलने का अधिकार है। इस संविधान ने मुझे यह अधिकार दिया है। संजय सिंह ने मुझे यह अधिकार नहीं दिया है। ना ही किसी महासंघ ने मुझे यह अधिकार दिया है। और एक नागरिक के तौर पर मुझे अपने अधिकारों की जानकारी है।''

डब्ल्यूएफआई ने विनेश को एक कड़े शब्दों वाला 'कारण बताओ नोटिस' जारी किया था, जिसमें उन पर अनुशासनहीनता, महासंघ के नियमों का उल्लंघन और डोपिंग रोधी प्रक्रियाओं के उल्लंघन का आरोप लगाया गया था। उन्होंने कहा कि डब्ल्यूएफआई के अधिकारियों के खिलाफ आवाज उठाने की वजह से उन्हें सजा दी जा रही है।

भाजपा समर्थित उपद्रवियों ने पुलिसकर्मियों के सामने 10 दुकानों में आग लगायी : अभिषेक बनर्जी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अभिषेक बनर्जी ने सोमवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी समर्थित उपद्रवियों ने पुलिसकर्मियों के सामने पूर्वी मेदिनीपुर के खेजुरी में लगभग 10 दुकानों में आग लगा दी। उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर पश्चिम बंगाल में लक्षित हिंसा को बढ़ावा देने का आरोप लगाया।

इन आरोपों को खारिज करते हुए पूर्वी मेदिनीपुर के एक भाजपा नेता ने कहा कि पार्टी हमेशा शांति का समर्थन करती है। तृणमूल के राष्ट्रीय महासचिव ने एक दिन पहले

दावा किया था कि उसी इलाके में 60 दुकानों में आग लगा दी गई थी।

इससे पहले सोमवार को बनर्जी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर भीषण आग का एक वीडियो साझा करते हुए दावा किया कि खेजुरी के जोन्का ग्राम पंचायत में कल रात पुलिस के सामने भाजपा के उपद्रवियों ने लगभग 10 दुकानों में आग लगा दी। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि रविवार देर रात खेजुरी में अज्ञात लोगों ने पांच दुकानों में आग लगा दी। उन्होंने प्रत्यक्षदर्शियों के हवाले से बताया कि मोटरसाइकिल पर सवार अज्ञात बदमाशों ने दुकानों में आग लगा दी जिसके बाद दमकल विभाग की दो गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। उन्होंने बताया कि इलाके में आरएएफ और केंद्रीय बलों के कर्मियों को तैनात किया गया है।

बनर्जी ने भाजपा पर निशाना साधते इस घटना को दोहरे इंजन की आपदा करार दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि लोगों की आजीविका राख में तब्दील हो गई क्योंकि अब नफरत और धमकी को राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है।

सुविचार

जीवन में ज्यादा रिश्ते होना जरूरी नहीं है, पर जो रिश्ते हैं उनमें जीवन होना जरूरी है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मिलकर करें चुनौतियों का मुकाबला

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विदेशी मुद्रा बचाने के लिए जिन कदमों को उठाने का आह्वान किया है, वे आज अत्यंत प्रासंगिक हैं। पश्चिम एशिया में हालात जिस ओर जा रहे हैं, उनके मद्देनज़र हमें अपने देश के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी होगी। प्रधानमंत्री ने जो संकल्प सुझाए हैं, वे मुश्किल नहीं हैं। हर नागरिक बड़ी आसानी से उनका पालन कर सकता है। हमें डीजल, पेट्रोल और एलपीजी बचाने पर ध्यान देना होगा। ईंधन का अनावश्यक उपयोग न करें। गांवों में रसोईघर के लिए वैकल्पिक ईंधन की कमी नहीं है। डीजल-पेट्रोल की बचत करने के लिए सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देना होगा। साइकिल को लोकप्रिय बनाने के लिए यह सबसे सही समय है। केंद्र सरकार ऐसी योजना लेकर आए, जिससे लोगों को साइकिल का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहन मिले। बाजार में सुंदर और सस्ती साइकिलें उपलब्ध हों। जो लोग साइकिल चलाकर अपने दफ्तर जाएं, उन्हें आर्थिक प्रोत्साहन मिलना चाहिए। उनके लिए सड़कों को सुरक्षित बनाया जाए। इस समय जो व्यक्ति ईंधन से चलने वाले वाहन की जगह साइकिल चलाता है, वह देशभक्ति का काम करता है। ऐसे लोगों को सम्मानित करना चाहिए। वर्क फ्रॉम होम भी ऐसा विकल्प है, जिसे जहां संभव हो, वहां तुरंत प्रभाव से लागू कर देना चाहिए। भारत में इंटरनेट सेवा बहुत अच्छी हो गई है। कई कंपनियों में पहले ही से वर्क फ्रॉम होम की सुविधा है। अगर अन्य कंपनियां भी इसे लागू करें तो हर महीने करोड़ों रुपए का ईंधन बच सकता है। कंपनियों को आगे आकर यह घोषणा करनी चाहिए कि वे देशहित में वर्क फ्रॉम होम लागू कर रही हैं। इस फैसले को अपार जनसमर्थन मिलेगा।

ब्याह-शादियों में लोग सोने के आभूषण खरीदते हैं। निवेश के लिए भी सोने को सुरक्षित विकल्प माना जाता है। हमें अपनी जरूरत के लिए ज्यादातर सोना आयात करना पड़ता है, जिसका भुगतान विदेशी मुद्रा में होता है। इससे रुपए पर दबाव पड़ता है। हर परिवार को कम से कम एक साल के लिए सोना न खरीदने का संकल्प लेना चाहिए। अगर लोग दृढ़ता से इसका पालन करें तो एक महीने में ही बड़ा असर दिखाई देने लगेगा। सोने में निवेश करने की जगह सरकारी बचत योजनाओं की सदस्यता लें। इससे अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। कल्याणकारी योजनाओं के लिए सरकार के पास ज्यादा धन होगा। देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए खाद्य तेल की खपत कम करनी होगी। ज्यादा तेल सेहत के लिए नुकसानदेह होता है। जापान में लंबी उम्र पाने वाले कई लोगों ने स्वीकार किया है कि वे भोजन में तेल कम डालते हैं, उबली हुई चीजें ज्यादा खाते हैं। रासायनिक उर्वरकों का उपयोग कम करने के लिए किसानों को प्राकृतिक खाद बनाने का प्रशिक्षण देना चाहिए। जो लोग विदेश घूमने की योजना बना रहे हैं, उन्हें अपने फैसले पर पुनर्विचार करना चाहिए। अपने देश में भी बहुत सुंदर स्थान हैं। उनका आनंद उठाने की योजना बना सकते हैं। प्रधानमंत्री के आह्वान के बाद विपक्ष के कई नेताओं द्वारा सोशल मीडिया पर की जा रही तीखी आलोचना अनुचित है। यह आह्वान किसी पार्टी का चुनावी अभियान नहीं है। यह देशहित की बात है। इस समय सत्ता पक्ष और विपक्ष के नेताओं को आगे आकर मिसाल पेश करनी चाहिए। उन्हें अपने काफिलों से गाड़ियों की संख्या घटा देनी चाहिए। नेतागण को कहना चाहिए कि वे दैनिक जीवन में स्वदेशी चीजों का ज्यादा उपयोग करेंगे। अगर ऐसी चीजों की सूची सोशल मीडिया पर डाल दें तो बेहतर रहेगा। यह देश हम सबका है। आज अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रम के कारण कुछ चुनौतियां आ गई हैं तो हमें मिलकर उनका मुकाबला करना चाहिए। दुनिया को हमारी एकता की शक्ति दिखाने का समय आ गया है।

ट्वीटर टॉक

श्रीलंका सरकार की महिला और बाल मामलों की मंत्री, माननीय सुश्री सरोजा सावित्री पॉलराज और श्रीलंका के महिला पार्लियामेंट्री डेलीगेशन से पार्लियामेंट हाउस में मिलकर खुशी हुई और दोनों देशों के पार्लियामेंट्री सहयोग को मज़बूत करने पर जाने-माने सदस्यों के साथ बातचीत हुई।

-ओम बिरला

आज सचिवालय में बाल अधिकार विभाग के अधिकारियों की एक बैठक हुई, जिसमें बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन, परियोजनाओं की प्रगति और बाल अधिकारों और सुरक्षा से संबंधित विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों पर विस्तृत समीक्षा की गई।

-दिया कुमारी

आज, सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के शुभ अवसर पर, झारखंड महादेव मंदिर में पूजा और अनुष्ठान किए गए, जिसमें राज्य के लोगों की खुशहाली की प्रार्थना की गई।सोमनाथ केवल एक मंदिर नहीं है, बल्कि भारत की अटूट आस्था, अमर पहचान और सांस्कृतिक पुनर्जागरण का प्रतीक है।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

आजादी का संकल्प

चंद्रशेखर आजाद ने मातृभूमि को आज़ाद कराने का संकल्प लिया था। उन दिनों रामकृष्ण खत्री क्रांतिकारियों के साथ काम कर रहे थे। एक बार गाज़ीपुर के एक महंत बीमार थे। उन्होंने रामकृष्ण खत्री से कहा 'आपकी निगाह में यदि कोई सुशील और सच्चरित्र लड़का हो तो बताइए। मैं उसे अपना शिष्य बनाकर इस मठ की व्यवस्था उसके सुपुर्द करना चाहता हूं।' खत्री जी ने इस बात की चर्चा क्रांतिकारियों से की, तो चंद्रशेखर आज़ाद भी शिष्य बनने के लिए तैयार हो गए। खत्री जी ने कहा 'तुम पागल तो नहीं हो? साधु बनोगे? सिर मुंडवाना पड़ेगा, दीक्षा लेनी पड़ेगी और सेवा भी करनी होगी। दिन-रात मठ में ही रहना पड़ेगा।' आज़ाद ने कहा'मेरे साहित्यकार भाई! मठ में काफी संपत्ति है। हमारी पार्टी को धन की बहुत आवश्यकता है। यदि धन होगा तो पार्टी बहुत मजबूत होगी, और पार्टी मजबूत होगी तो देश जल्दी आज़ाद हो जाएगा। अपने देश को आज़ाद कराने के लिए मैं कुछ भी करने को तैयार हूं।' खत्री जी ने पूछा'तुम्हारा परिचय किस नाम से करवाया जाए?' आज़ाद बोले'एक कवि के नाम से करवा देना, बस।' खत्री जी ने फिर पूछा'अगर महंत जी कविता सुनाने के लिए कहने लगे तो?' आज़ाद गंभीर होकर बोले'देश की आज़ादी के लिए मैं क्रांतिकारी बन सकता हूं, तो क्या कवि नहीं बन सकता?

सामयिक

देश में अपराधमुक्त समाज निर्माण की चुनौती

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के ताजा आंकड़े केवल सांख्यिकीय दस्तावेज नहीं हैं, बल्कि वे हमारे समाज के उस अंधेरे और भयावह चेहरे को सामने लाते हैं, जिसे अक्सर विकास, आधुनिकता और राजनीतिक उपलब्धियों की चमक में छिपा दिया जाता है। वर्ष 2024 के अपराध आंकड़ों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि भारत आर्थिक, तकनीकी और वैश्विक स्तर पर चाहे जितनी प्रगति कर रहा हो, लेकिन सामाजिक और नैतिक स्तर पर अनेक गंभीर चुनौतियों से घिरा हुआ है। जब देश में हर 17 मिनट में हत्या, हर पांच मिनट में अपहरण, हर 18 मिनट में बलात्कार और लगभग हर दो मिनट में आर्थिक अपराध या धोखाधड़ी हो रही हो, तब यह केवल कानून-व्यवस्था का प्रश्न नहीं रह जाता, बल्कि यह पूरे सामाजिक ढांचे, नैतिक मूल्यों और प्रशासनिक तंत्र पर गंभीर प्रश्नचिह्न बनकर खड़ा हो जाता है। आज हम विकसित भारत, आत्मनिर्भर भारत और 2047 तक विश्वगुरु भारत का सपना देख रहे हैं। लेकिन यह सपना तभी साकार हो सकता है, जब समाज भयमुक्त, हिंसामुक्त और अपराधमुक्त बने। अपराधों से ग्रस्त समाज कभी स्वस्थ, संतुलित और आदर्श समाज नहीं बन सकता। यदि समाज का वातावरण असुरक्षा, भय, अविश्वास और हिंसा से भरा होगा, तो विकास की सारी योजनाएं खोखली सिद्ध होंगी। एनसीआरबी के आंकड़े हमें चेतावनी दे रहे हैं कि यदि समय रहते अपराधों की जड़ों को नहीं पहचाना गया और उन पर कठोर अंकुश नहीं लगाया गया, तो यह स्थिति भविष्य में और अधिक विस्फोटक हो सकती है।

विशेष चिंता का विषय महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराध हैं। राजस्थान का लगातार छठे वर्ष महिलाओं के विरुद्ध अपराधों में शीर्ष पर बने रहना अत्यंत चिंताजनक है। बलात्कार के मामले में यह पहले स्थान पर, जबरन गर्भपात में दूसरे और भ्रूण हत्या में तीसरे स्थान पर है। विवाह के लिए महिलाओं के अपहरण के मामलों में भी राजस्थान चैथे नंबर पर है। इस अपराध में बिहार टॉप, यूपी दूसरे और पंजाब तीसरे स्थान पर है। बिहार पकड़वा विवाह' के लिए भी बदनाम है, जिसमें पुरुषों का अपहरण कर जबरन शादी कर दी जाती है। यदि प्रति लाख आबादी के लिहाज से हत्या की दर का विश्लेषण किया जाए तो झारखंड और छत्तीसगढ़ जैसे छोटे राज्य टॉप पर हैं और उत्तर प्रदेश जैसा बड़ा और अपराधों के लिए अक्सर चर्चा में रहने वाला राज्य 12वें स्थान पर। इस मामले में मध्यप्रदेश छठे और राजस्थान सातवें पायदान पर खड़ा है। बलात्कार, भ्रूण हत्या, जबरन गर्भपात और विवाह के लिए अपहरण जैसी घटनाएं यह बताती हैं कि सामाजिक चेतना और नैतिक संस्कारों में गंभीर गिरावट आई है। महिलाओं के प्रति सम्मान, संवेदना और सुरक्षा की भावना कमजोर हुई है।

यह विडंबना ही है कि एक ओर हम नारी शक्ति' और बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' जैसे अभियान चला रहे हैं, वहीं दूसरी ओर महिलाओं के खिलाफ अपराधों के आंकड़े भयावह रूप लेते जा रहे हैं। यह केवल कानून की कमजोरी नहीं, बल्कि सामाजिक मानसिकता की विकृति का भी परिणाम है। आज अपराध का स्वरूप भी तेजी से बदल रहा है। पहले अपराध सड़कों और गलियों तक सीमित थे, लेकिन अब इंटरनेट और डिजिटल तकनीक ने अपराध को नया चेहरा दे दिया है। साइबर अपराध, डिजिटल फ्रॉड, ऑनलाइन ठगी और डेटा चोरी जैसे अपराध तेजी से बढ़ रहे हैं। यह सॉफ्टवेयर क्राइम' का नया युग है, जहां अपराधी बिना हथियार और बिना जोखिम उठाए करोड़ों की ठगी कर रहे हैं। इससे स्पष्ट है कि अब केवल परंपरागत पुलिसिंग से काम नहीं चलेगा। पुलिस और जांच एजेंसियों को डिजिटल फॉरेंसिक, साइबर सुरक्षा और डेटा एनालिटिक्स जैसे आधुनिक साधनों से लैस करना होगा। अपराध की नई दुनिया से लड़ने के लिए नई सोच और नई तकनीक की जरूरत है।

हालांकि कुछ संगीन अपराधों में मामूली कमी दर्ज की गई है, लेकिन इसे बहुत बड़ी उपलब्धि मान लेना आत्मप्रवंचना होगी। विशेषज्ञों का मानना है कि नई भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) लागू होने के बाद कई अपराधों को संज्ञेय अपराधों की सूची से हटाया गया है, जिससे आंकड़ों में कमी दिखाई दे रही है। इसलिए अपराध के आंकड़ों का केवल सतही अध्ययन पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनकी गहराई से समीक्षा और विश्लेषण आवश्यक है। हमें यह समझना होगा कि अपराध केवल कानूनी समस्या नहीं है, बल्कि यह सामाजिक, आर्थिक, मनोवैज्ञानिक और सांस्कृतिक कारणों से पैदा होने वाली जटिल चुनौती है। अपराध के बढ़ने में सबसे बड़ा कारण नशा है। आज तो महिलाओं में बढ़ रही नशे की प्रवृत्ति अधिक चिन्ताजनक है। सबसे गंभीर संकेत विद्यार्थियों और बेरोजगार युवाओं में बढ़ती आत्महत्याओं के मामले हैं। यह स्थिति बताती है कि समाज में निराशा, असुरक्षा और भविष्य के प्रति अनिश्चितता का वातावरण गहराता जा रहा है। बेरोजगारी, प्रतिस्पर्धा, शिक्षा का बढ़ता दबाव, पारिवारिक अपेक्षाएं और सामाजिक तुलना युवाओं को मानसिक तनाव की ओर धकेल रही हैं। जब युवा अपने जीवन को अर्थहीन समझने लगें, तब यह केवल व्यक्तिगत त्रासदी नहीं होती, बल्कि राष्ट्र के भविष्य के लिए खतरे की घंटी होती है। इसलिए अपराध और आत्महत्या जैसी समस्याओं को केवल पुलिस या अदालतों के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। इसके लिए शिक्षा, परिवार, समाज और शासन-सभी को मिलकर काम करना होगा। अपराध बढ़ने के पीछे एक बड़ा कारण नैतिक मूल्यों का क्षरण भी है। उपभोक्तावाद, भौतिकता और त्वरित सफलता की अंधी दौड़ ने व्यक्ति को संवेदनहीन और स्वार्थी बना दिया है। आज सफलता का मापदंड केवल पैसा और शक्ति बन गया है। जब समाज में ईमानदारी, संयम, करुणा और नैतिकता की जगह छल, लालच और प्रतिस्पर्धा ले लेते हैं, तब अपराध स्वाभाविक रूप से बढ़ते हैं। परिवारों में संवाद कम हुआ है, संस्कार कमजोर हुए हैं और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना घटती जा रही है। सोशल मीडिया और मनोरंजन के अनेक माध्यमों ने भी हिंसा, अश्लीलता और त्वरित लाभ की मानसिकता को बढ़ावा दिया है। ऐसे में नई पीढ़ी का भटकना स्वाभाविक हो जाता है।

> **आज आवश्यकता केवल अपराध रोकने की नहीं, बल्कि अपराध पैदा करने वाली परिस्थितियों को समाप्त करने की है। गरीबी, बेरोजगारी, नशाखोरी, अशिक्षा, सामाजिक असमानता, पारिवारिक विघटन और मानसिक तनाव जैसी स्थितियां अपराध की जमीन तैयार करती हैं। यदि इन कारणों पर गंभीरता से काम नहीं किया गया, तो अपराधों की संख्या घटाना कठिन होगा। इसलिए विकास की अवधारणा को केवल आर्थिक प्रगति तक सीमित नहीं रखा जा सकता। वास्तविक विकास वही है, जिसमें समाज सुरक्षित, संतुलित और मानवीय बने। एनसीआरबी के आंकड़े हमारे सामने एक कठोर सच रख रहे हैं।**

यह भी सच है कि कई बार अपराधियों में कानून का भय समाप्त होता जा रहा है। मुकदमों का वर्षों तक लंबित रहना, राजनीतिक संरक्षण, भ्रष्टाचार और कमजोर जांच व्यवस्था अपराधियों के मनोबल को बढ़ाते हैं। यदि अपराधी यह महसूस करने लगें कि वे आसानी से बच सकते हैं, तो अपराधों पर नियंत्रण कठिन हो जाता है। इसलिए न्याय व्यवस्था को तेज, पारदर्शी और प्रभावी बनाना समय की मांग है। अपराध के प्रति शून्य सहिष्णुता की नीति अपनानी होगी। कानून का भय तभी स्थापित होगा, जब अपराधी को शीघ्र और निष्पक्ष दंड मिलेगा। लेकिन केवल सरकार और पुलिस को दोष देकर समाज अपनी जिम्मेदारी से मुक्त नहीं हो सकता। अपराधमुक्त समाज का निर्माण सामूहिक चेतना और सामाजिक सहभागिता से ही संभव है। समाज सुधारकों, शिक्षकों, धार्मिक संस्थाओं, सामाजिक संगठनों और परिवारों को भी अपनी भूमिका निभानी होगी। बच्चों और युवाओं में नैतिक शिक्षा, संवेदनशीलता, सह-अस्तित्व और मानवीय मूल्यों का विकास करना होगा। समाज को ऐसी सकारात्मक दिशा देनी होगी, जहां व्यक्ति केवल अधिकारों की नहीं, बल्कि कर्तव्यों और सामाजिक उत्तरदायित्व की भी चिंता करे।

आज आवश्यकता केवल अपराध रोकने की नहीं, बल्कि अपराध पैदा करने वाली परिस्थितियों को समाप्त करने की है। गरीबी, बेरोजगारी, नशाखोरी, अशिक्षा, सामाजिक असमानता, पारिवारिक विघटन और मानसिक तनाव जैसी स्थितियां अपराध की जमीन तैयार करती हैं। यदि इन कारणों पर गंभीरता से काम नहीं किया गया, तो अपराधों की संख्या घटाना कठिन होगा। इसलिए विकास की अवधारणा को केवल आर्थिक प्रगति तक सीमित नहीं रखा जा सकता। वास्तविक विकास वही है, जिसमें समाज सुरक्षित, संतुलित और मानवीय बने। एनसीआरबी के आंकड़े हमारे सामने एक कठोर सच रख रहे हैं। यह समय आंकड़ों पर औपचारिक चिंता जताने का नहीं, बल्कि गहन आत्ममंथन और ठोस कार्रवाई का है। यदि हम वास्तव में 2047 तक एक आदर्श, विकसित और सभ्य भारत का निर्माण करना चाहते हैं, तो अपराधमुक्त समाज निर्माण को राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाना होगा। समाज में नैतिक चेतना, संवेदनशीलता और कानून के प्रति सम्मान का वातावरण निर्मित करना होगा। तभी हम एक ऐसे भारत की कल्पना कर सकेंगे, जहां विकास केवल इमारतों और तकनीक में नहीं, बल्कि मानवीय मूल्यों और सामाजिक सुरक्षा में भी दिखाई दे।

नजरिया

नर्सों का योगदान और विश्व स्वास्थ्य का भविष्य

महेन्द्र तिवारी

मोबाइल : 9989703240

मानवता की सेवा और उपचार की प्रक्रिया में नर्सों का योगदान अतुलनीय है। प्रत्येक वर्ष 12 मई को संपूर्ण विश्व अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस मनाता है। यह दिवस केवल एक तिथि नहीं है बल्कि उस समर्पण और करुणा का सम्मान है जो नर्सें बिना किसी स्वार्थ के समाज को प्रदान करती हैं। इस विशेष दिवस का आयोजन आधुनिक नर्सिंग की संस्थापक फ्लोरेंस नाइटिंगेल की जयंती के उपलक्ष्य में किया जाता है। 1820 में जन्मी फ्लोरेंस नाइटिंगेल ने नर्सिंग को एक पेशेवर और सम्मानित स्वरूप प्रदान किया। क्रीमिया युद्ध के दौरान उन्होंने रात के अंधेरे में हाथ में लालटेन लेकर घायल सैनिकों की जिस प्रकार सेवा की उसने उन्हें लेडी विद द लैंप की उपाधि दी। उन्होंने यह सिद्ध किया कि चिकित्सा केवल औषधियों का खेल नहीं है बल्कि इसमें स्वच्छता, सहानुभूति और निरंतर देखभाल का भी उतना ही महत्व है। वर्ष 2026 के लिए इस दिवस की विषयवस्तु हमारी नर्सें, हमारा भविष्य, सशक्त नर्सें जीवन बचाती हैं निर्धारित की गई है। यह विषयवस्तु इस बात की ओर संकेत करती है कि भविष्य की स्वास्थ्य व्यवस्था को सुरक्षित बनाने के लिए नर्सों का सशक्तिकरण अनिवार्य है।

नर्सिंग सेवा का विस्तार केवल चिकित्सालयों की दीवारों तक सीमित नहीं है। यह एक ऐसी व्यवस्था है जो व्यक्ति के जन्म से लेकर जीवन के अंतिम क्षणों तक उसके साथ बनी रहती है। स्वास्थ्य प्रणाली में नर्सों की भूमिका एक सेतु के समान है जो चिकित्सक और रोगी के मध्य संवाद और उपचार को सुगम बनाती है। किसी भी आपदा या आपातकाल की स्थिति में नर्सें ही सबसे अग्रिम पंक्ति में खड़ी नजर आती हैं। यदि हम वैश्विक आंकड़ों पर दृष्टि डालें तो विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट यह स्पष्ट करती है कि स्वास्थ्य क्षेत्र के कुल कार्यबल का लगभग 50 प्रतिशत हिस्सा नर्सों और दाइयों का है। इसके बावजूद वैश्विक स्तर पर नर्सों की भारी कमी देखी जा रही है। अनुमान है कि वर्ष 2030 तक दुनिया भर में स्वास्थ्य सेवाओं को सुचारू रूप से चलाने के लिए लगभग 60 लाख अतिरिक्त नर्सों की आवश्यकता होगी। यह आंकड़ा हमें सचेत करता है कि यदि समय रहते इस क्षेत्र में निवेश नहीं किया गया तो भविष्य में स्वास्थ्य प्रणालियाँ लड़खड़ा सकती हैं। भारत जैसे सघन जनसंख्या वाले देश में नर्सों का उत्तरदायित्व और भी अधिक बढ़ जाता है। भारतीय नर्सिंग परिषद के आंकड़ों के अनुसार देश में पंजीकृत नर्सों की संख्या लाखों में है परंतु प्रति 1000 जनसंख्या पर नर्सों की उपलब्धता अभी भी वैश्विक मानकों से कम है। ग्रामीण क्षेत्रों में जहाँ विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी है वहाँ प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों की पूरी जिम्मेदारी नर्सों के कंधों पर होती है। वे न केवल प्रसव संबंधी सेवाएं प्रदान करती हैं बल्कि टीकाकरण अभियानों, संक्रामक रोगों के नियंत्रण और पोषण संबंधी जागरूकता फैलाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। मातृ मृत्यु दर और शिशु मृत्यु दर को कम करने के भारत के राष्ट्रीय लक्ष्यों को प्राप्त करने में नर्सों का योगदान सबसे महत्वपूर्ण रहा है। वे समाज के सबसे निचले स्तर तक पहुँचकर स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ बनाती हैं।

> **हाल के वर्षों में वैश्विक महामारी कोविड 19 ने संपूर्ण विश्व को नर्सों की वास्तविक शक्ति से परिचित कराया। जब पूरा विश्व भयभीत होकर घरों में बंद था तब नर्सें बिना अपनी जान की परवाह किए संक्रमित मरीजों की सेवा कर रही थीं। पीपीई किट पहनकर घंटों बिना भोजन और जल के काम करना उनके अदम्य साहस का परिचायक था। उस कठिन समय में नर्सों ने न केवल शारीरिक उपचार किया बल्कि एकांतवास में रह रहे मरीजों को मानसिक संबल भी प्रदान किया।**

हाल के वर्षों में वैश्विक महामारी कोविड 19 ने संपूर्ण विश्व को नर्सों की वास्तविक शक्ति से परिचित कराया। जब पूरा विश्व भयभीत होकर घरों में बंद था तब नर्सें बिना अपनी जान की परवाह किए संक्रमित मरीजों की सेवा कर रही थीं। पीपीई किट पहनकर घंटों बिना भोजन और जल के काम करना उनके अदम्य साहस का परिचायक था। उस कठिन समय में नर्सों ने न केवल शारीरिक उपचार किया बल्कि एकांतवास में रह रहे मरीजों को मानसिक संबल भी प्रदान किया। कई नर्सों ने इस सेवा के दौरान अपने प्राणों की आहुति दे दी जो उनके व्यवसाय के प्रति सर्वोच्च बलिदान को दर्शाता है। इस महामारी ने यह पाठ पढ़ाया कि किसी भी देश की सुरक्षा केवल उसकी सीमाओं पर नहीं बल्कि उसके स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे और उसके समर्पित स्वास्थ्य कर्मियों के हाथों में भी सुरक्षित है।

वर्तमान परिदृश्य में नर्सिंग के क्षेत्र में कई चुनौतियां भी विद्यमान हैं जिन्हें संबोधित करना अत्यंत आवश्यक है। नर्सों को अक्सर लंबे समय तक कार्य करना पड़ता है जिससे उनके मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। कई स्थानों पर उन्हें उचित वेतन और सुविधाएं प्राप्त नहीं होती हैं। शिक्षा और तकनीक के विकास ने नर्सिंग के स्वरूप को भी बदला है। आज की नर्सें केवल सहायता प्रदान नहीं करतीं बल्कि वे आधुनिक चिकित्सा उपकरणों के संचालन, जटिल उपचार प्रक्रियाओं और शोध कार्यों में भी निपुण हैं। डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं और टेलीमेडिसिन के युग में नर्सों की भूमिका और भी तकनीकी हो गई है। वे डेटा प्रबंधन और रोगियों की निरंतर निगरानी के लिए उन्नत प्रणालियों का उपयोग कर रही हैं। नर्सिंग शिक्षा के पाठ्यक्रम को वैश्विक मानकों के अनुरूप बनाने की आवश्यकता है ताकि नर्सें किसी भी प्रकार की स्वास्थ्य चुनौती का सामना करने में सक्षम हो सकें। शोध कार्यों में नर्सों की भागीदारी चिकित्सा के क्षेत्र में नए दृष्टिकोण विकसित करने में सहायक सिद्ध हो सकती है।

फ्लोरेंस नाइटिंगेल ने एक बार कहा था कि नर्सिंग एक कला है और यदि इसे कला बनाना है तो इसके लिए वैसी ही अनन्य भक्ति और कठोर तैयारी की आवश्यकता होती है जैसा कि किसी चित्रकार या मूर्तिकार के कार्य के लिए होती है। उनकी यह बात आज भी उतनी ही प्रासंगिक है। आज की नर्सें न केवल उपचार करती हैं बल्कि वे मानवता की रक्षक भी हैं। 12 मई का यह दिन हमें उनके उन हजारों घंटों की याद दिलाता है जो उन्होंने दूसरों के दुखों को कम करने में बिताए हैं। यह दिन हमें याद दिलाता है कि एक नर्स की मुस्कान और धैर्य कई बार सबसे महंगी औषधि से भी अधिक प्रभावी सिद्ध होता है। यह कहा जा सकता है कि नर्सिंग सेवा किसी भी राष्ट्र की स्वास्थ्य प्रणाली की रीढ़ है। वर्ष 2026 में जब हम इस दिवस को मनाते हैं तो हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि हम नर्सों के सशक्तिकरण के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। हमें ऐसी नीतियों की आवश्यकता है जो नर्सिंग क्षेत्र में आने वाले युवाओं को प्रोत्साहित करें और वर्तमान नर्सों को उनकी योग्यता के अनुरूप सम्मान और स्थान दिलाएं।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

फुजैराह या यूएई से भारतीयों को निकालने की कोई योजना नहीं है: विदेश मंत्रालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। विदेश मंत्रालय ने सोमवार को उस खबर को खारिज किया जिसमें दावा किया गया था कि फुजैराह बंदरगाह के माध्यम से भारतीय श्रमिकों की निकासी को सुविधाजनक बनाने के लिए भारत और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) एक समझौते पर काम कर रहे हैं। मंत्रालय ने कहा कि इसका कोई आधार नहीं है और फुजैराह या यूएई से भारतीय नागरिकों को निकालने की कोई योजना नहीं है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने यह बात पश्चिम एशिया की मौजूदा स्थिति पर यहां आयोजित एक अंतर-मंत्रालयी प्रेसवार्ता के दौरान एक प्रमुख राष्ट्रीय दैनिक में प्रकाशित मीडिया की एक खबर के बारे में पूछे गए एक प्रश्न के जवाब में कही।

उन्होंने कहा, आपने एक विशेष समाचार का उल्लेख किया। मैं आपसे अनुरोध करूंगा कि आप विदेश मंत्रालय के फैक्टचेक को भी देखें क्योंकि हमने इस संबंध में पहले ही स्पष्टीकरण जारी कर दिया है। ऐसी खबर का कोई आधार नहीं है। साथ ही, फुजैराह या संयुक्त अरब अमीरात से भारतीय नागरिकों को निकालने की कोई योजना नहीं है। इसलिए, कृपया हमारे द्वारा जारी किए गए स्पष्टीकरण को भी देखें।

डिजाइनिंग की दुनिया में ईशा देओल की एंट्री

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री ईशा देओल ने इंटीरियर डिजाइनिंग में 'द हाउस ऑफ अभिनंदन लोढ़ा' के साथ हाथ मिलाया है। यह उनके लिए एक नया और रोमांचक सफर है, जिसमें वह घरों की सुंदर डिजाइन और आधुनिक लिविंग स्टाइल से जुड़ेंगी। अभिनेत्री ने सोमवार को इसी प्रोजेक्ट से जुड़े आयोजन में शिरकत की। इस दौरान उन्होंने अपने पिता को याद करते हुए बताया कि उनके पिता को डिजाइन और लैंडस्केप की दुनिया में गहरी दिलचस्पी थी। उन्होंने कहा, यह उत्साह और भावनाएं ठीक वैसी ही हैं जैसी मैंने साल 2000 में महसूस की थीं, जब मैं अपनी पहली फिल्म के लिए 'मुराद शॉट' दे रही थी और आज, 2026 में, जब मैं एक बिल्कुल नई भूमिका और एक नई यात्रा की शुरुआत कर रही हूं, तो भावनाएं लगभग वैसी ही हैं, लेकिन सबसे खूबसूरत बात यह है कि मैं यहां कई जाने-पहचाने चेहरे देख सकती हूं, जो उस समय भी मेरे साथ थे और आज भी हैं। यह मेरे लिए सचमुच बहुत मायने रखता है।

ईशा कहती हैं, इस यात्रा का जिक्र मेरे पिता धर्मेंद्र जी के बिना अधूरा ही रहेगा। हम दोनों ही डिज़ाइन्स के प्रति गहरी रुचि रखा करते थे और हमारे बीच का वह खास रिश्ता आज भी मेरे साथ है। पापा और मैं अक्सर अलग-अलग तरह के लैंडस्केप, घरों और साधारण जगहों की डिज़ाइन पर चर्चा किया करते थे और वह हमेशा मुझसे कहते थे, 'लगी रहो, करती रहो।' ये शब्द आज भी मेरे साथ हैं और मुझे राह दिखाते हैं। मेरी रचनात्मकता पर उनके भरोसे ने ही मुझे आज पूरी लगन से इस काम को आगे बढ़ाने की हिम्मत दी है।

अभिनेत्री ने आगे बातचीत में बताया कि उनकी कंपनी का 'लालटेन वाला लोगो' अभिनेता धर्मेंद्र ने ही डिजाइन किया था। उन्होंने इसे अपने पिता का आशीर्वाद मानते हुए कहा, यह एक तोहफा था जो उन्होंने मुझे दिया था। उन्हें लोगो डिजाइन करना बेहद पसंद था, तो आप समझ ही सकते हैं कि यह मेरे लिए महज एक प्रतीक नहीं है, बल्कि यह उनकी ही रोशनी है, जिसे मैं आगे बढ़ा रही हूं।

ईशा ने आगे अपने पार्टनर अभिनंदन लोढ़ा को अपने साथ जोड़ने के लिए धन्यवाद अदा किया। अभिनेत्री ने लिखा, मैं आज यहां इसलिए हूं क्योंकि मिस्टर अभिनंदन लोढ़ा यहां हैं। वह एक बहुत ही बेहतरीन इंसान हैं, जिनकी आत्मा बहुत ही विनम्र है। उन्होंने मुझ पर भरोसा किया और मुझे इतना शानदार मौका दिया - यह मेरे लिए बहुत बड़ी बात है और मैं उन्हें और उनकी पूरी टीम को धन्यवाद देना चाहती हूं। आज हमारे साथ 'हाउस ऑफ अभिनंदन लोढ़ा' से सैम, श्वेता और महेश जी मौजूद हैं। मैं 'हाउस ऑफ अभिनंदन लोढ़ा' के साथ जुड़कर बहुत उत्साहित हूं।

संबोधन

पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी सोमवार को हावड़ा के नबन्ना में कैबिनेट मीटिंग के बाद दूसरे मंत्रियों के साथ मीडिया को संबोधित करते हुए।

क्रूज जहाजों पर बीमारी फैलने का खतरा अधिक क्यों?

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लिमेरिक (आयरलैंड)। समुद्री क्रूज यात्राओं को आम तौर पर आरामदायक और विलासितापूर्ण छुट्टियों के रूप में प्रचारित किया जाता है, लेकिन सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों के लिए ये जहाज यह समझने का भी महत्वपूर्ण माध्यम हैं कि संक्रामक बीमारियां किस तरह तेजी से फैल सकती हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, क्रूज जहाज अस्थायी तैरते शहरों की तरह होते हैं, जहां हजारों लोग कई दिन तक एक ही जगह पर रहते, खाते, घूमते और मनोरंजन करते हैं। रेस्तरां, थिएटर, लिफ्ट, केबिन, रसोईघर, जल प्रणाली और बंद सामुदायिक स्थान संक्रमण के प्रसार को आसान बना देते हैं। एक बार कोई संक्रमण जहाज पर पहुंच जाए तो उसे रोकना बेहद कठिन हो सकता है।

'डायमंड प्रिंसेस' जहाज से कोविड 19 का प्रसार इसका सबसे चर्चित उदाहरण माना जाता है। वर्ष 2020 में कोविड-19 महामारी के दौरान 'डायमंड प्रिंसेस' जहाज पर 619 यात्री और चालक दल के सदस्य संक्रमित पाए गए थे। शोधकर्ताओं ने निष्कर्ष निकाला कि जहाज की परिस्थितियों ने कोरोना वायरस के प्रसार को तेज किया। हालांकि पृथकवास और अलगाव जैसे कदमों से संक्रमण को कुछ हद तक नियंत्रित किया गया, लेकिन अध्ययन में यह भी कहा गया कि यदि शुरुआती प्रतिक्रिया और तेज होती तो मामलों की संख्या और कम हो सकती थी।

विशेषज्ञों के अनुसार, क्रूज जहाजों से सबसे अधिक जुड़ी बीमारी नॉरोवायरस है, जिसे आम बोलचाल में वोमिटिंग बग भी कहा जाता है। पूर्व में प्रकाशित अध्ययनों की समीक्षा में शोधकर्ताओं को क्रूज जहाजों पर नॉरोवायरस संक्रमण के 127 मामले मिले। इनमें से कई मामले दूषित भोजन, संक्रमित सतहों और व्यक्ति से व्यक्ति में संक्रमण फैलने से जुड़े थे। अमेरिका से प्राप्त हालिया एक रिपोर्ट के अनुसार भी नॉरोवायरस जहाजों पर बहुत तेजी से फैल सकता है। यही कारण है कि 'सेलेब्रिटी मर्करी', 'एक्सप्लोरर ऑफ द सीज' और 'कार्निवल ट्रायम्फ' जैसे जहाज बीमारी फैलने की घटनाओं के संदर्भ में चर्चित रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि जहाजों पर भोजन व्यवस्था संक्रमण फैलाने में बड़ी भूमिका निभाती है। बुफे शैली में भोजन परोसना, साझा बर्तनों का इस्तेमाल और बड़ी संख्या में लोगों का एक ही सतह को छूना पेट संबंधी संक्रमणों के प्रसार को आसान बना देता है। यदि कोई व्यक्ति संक्रमित है लेकिन उसमें अभी लक्षण दिखाई नहीं दे रहे, तो भी वह भोजन या सतहों को संक्रमित कर सकता है।

जहाज की बनावट भी इस समस्या को बढ़ाती है। यात्री भोजन कक्षों, बार, थिएटर, गलियारों, स्पा और लिफ्ट जैसे स्थानों पर लगातार एक-दूसरे के संपर्क में रहते हैं।

डुग-डुग : राजस्थानी सिनेमा की नई उड़ान, लोक आस्था और अंधविश्वास की अनोखी जंग

जयपुर/एजेन्सी

जयपुर के युवा निर्देशक ऋत्विक पारीक की राजस्थानी फिल्म डुगडुग शुक्रवार को देशभर के सिनेमाघरों में रिलीज हुई। लंबे समय बाद किसी राजस्थानी फिल्म के बड़े स्तर पर प्रदर्शन से दर्शकों में उत्साह नजर आया। फिल्म को राजस्थान सहित देश-विदेश में सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। दर्शकों ने फिल्म की पटकथा, अभिनय, संवाद शैली और ग्रामीण परिवेश के चित्रण की सराहना की। फिल्म इससे पहले अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी पहचान बना चुकी है। टोरंटो अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में सम्मान प्राप्त कर चुकी यह फिल्म राजस्थान की लोक आस्था, सामाजिक मनोविज्ञान और अंधविश्वास जैसे विषयों को प्रभावशाली तरीके से प्रस्तुत करती है। कहानी जयपुर के समीप एक गांव की है, जहां एक दुर्घटना के बाद रहस्यमय घटनाओं का सिलसिला शुरू होता है और गांव वाले उसे चमत्कार मानने लगते हैं।

फिल्म में दिखाया गया है कि किस प्रकार साधारण घटनाएं धीरे-धीरे सामूहिक आस्था का रूप ले लेती हैं। फिल्म में योगेंद्र सिंह परमार, अल्ताफ खान, दुर्गालाल सैनी, प्रियंका खांडेकर, हेमंत शर्मा, अनिल भागवत और मोहन शर्मा ने प्रमुख भूमिकाएं निभाई हैं। स्थानीय कलाकारों की भागीदारी और जयपुर की ग्रामीण बोली के प्रयोग ने फिल्म को और अधिक प्रामाणिक बनाया है।

जमवारामगढ़ और आमेर क्षेत्र में फिल्माए गए दृश्य भी दर्शकों को आकर्षित कर रहे हैं। ग्रामीण राजस्थान के परिवेश को फिल्म में वास्तविकता के साथ प्रस्तुत किया गया है। करीब पांच वर्षों बाद रिलीज हुई इस फिल्म को राजस्थानी सिनेमा के लिए सकारात्मक पहल माना जा रहा है। फिल्म यह संकेत देती है कि अब क्षेत्रीय सिनेमा सामाजिक और वैचारिक विषयों को भी प्रभावी ढंग से दर्शकों तक पहुंचा रहा है।

पूजा अर्चना

नई दिल्ली में सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के मौके पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, कैबिनेट मंत्री कपिल मिश्रा, मनजिंदर सिंह सिरसा और प्रवेश वर्मा के साथ गौरी शंकर मंदिर में पूजा-अर्चना करते हुए।

नेहा धूपिया ने वृंदावन के मंदिरों में टेका मत्था, यमुना सफाई में भी हुई शामिल

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री नेहा धूपिया हाल ही में वृंदावन घूमने पहुंचीं। इस दौरान वह पूरी तरह से भक्ति के रंग में डूबी नजर आईं। शनिवार को अभिनेत्री ने अपनी यात्रा की कुछ झलक सोशल मीडिया पर दिखाई। उन्होंने इस धार्मिक अवसर के लिए लाल रंग के सुंदर पारंपरिक परिधान को चुना, जिसमें वे बेहद सौम्य और शालीन दिख रही थीं। नेहा ने वृंदावन के विभिन्न ऐतिहासिक और पौराणिक मंदिरों के दर्शन किए और विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। नेहा अपनी इस यात्रा में केवल दर्शन तक सीमित नहीं रही, बल्कि पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए यमुना सफाई अभियान में सक्रिय रूप से भाग लिया। उन्होंने नदी के घाटों पर श्रमदान किया और कूड़ा साफ किया।

अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर वीडियो पोस्ट कर लिखा, वृंदावन से पहला बुलावा आया यमुना जी सफाई अभियान, जिसकी हम उम्मीद करते हैं कि हमारे जाने के बाद भी जारी रहेगा। इस अद्भुत ऊर्जा के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। मान्यता है कि भगवान कृष्ण ने अपना बचपन वृंदावन की इन्हीं गलियों और कुंजों में बिताया था।

धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण इस शहर में कृष्ण और राधारानी को समर्पित लगभग 5,500 छोटे-बड़े मंदिर स्थित हैं, जो इसे दुनिया के सबसे पवित्र वैष्णव तीर्थों में से एक बनाते हैं। इन मंदिरों में बांके बिहारी, प्रेम मंदिर, इस्कॉन और राधारमण जैसे प्रमुख मंदिर शामिल हैं, जहां सालभर भक्तों का तांता लगा रहता है। नेहा धूपिया के लिए 2026 काफी मजेदार होने वाला है। अभी हाल ही में वे सिंगल पापा में एक महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आई थीं, जिसका निर्देशन शशांक खेतान ने किया है। इसके अलावा वे अंतरराष्ट्रीय फिल्म 52 ब्लू से हॉलीवुड में कदम रख रही हैं, जिसका ट्रेलर 15 अप्रैल 2026 को रिलीज किया गया था। यह एक भावनात्मक प्रवासी नाटक है, जिसमें नेहा ने एक साधारण लुक अपनाया है।

विरोध

झारखंड विधानसभा में विपक्ष के नेता और भाजपा विधायक बाबूलाल मरांडी सोमवार को झारखंड के धनबाद जिले में पानी और बिजली की समस्याओं को लेकर जिला कलेक्टर ऑफिस के बाहर विरोध प्रदर्शन को संबोधित करते हुए।

ईमानदारी से काम किया तो मुश्किलें अपने आप दूर हो जाती हैं : अद्रिजा रॉय

मुंबई/एजेन्सी

लोकप्रिय टीवी शो 'अनुपमा' में राही का किरदार निभा रही अभिनेत्री अद्रिजा रॉय को उनके इस किरदार में काफी पसंद किया जा रहा है। इस बीच अभिनेत्री ने काम को लेकर अपने विचार प्रशंसकों के सामने रखी। अद्रिजा का स्पष्ट मानना है कि ईमानदारी और कड़ी मेहनत के साथ अगर आप पूरी लगन से अपना काम करते हैं तो राह में आने वाली मुश्किलें और बाधाएं अपने आप दूर हो जाती हैं। आईएएनएस के साथ खास बातचीत में अद्रिजा रॉय ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि टीवी शो 'अनुपमा' में उनकी एंट्री के बावजूद वे हमेशा से जानती थीं कि यह शो रूपाली गांगुली के किरदार 'अनुपमा' के इर्द-गिर्द घूमता है। उन्होंने कहा, ''जब मुझे नई पीढ़ी के लीप के लिए संपर्क किया गया तो मैं बेहद उत्साहित थी। 'अनुपमा' अपने आप में एक ब्रांड है। इतने बड़े और सफल शो का हिस्सा बनना मेरे लिए बड़ी उपलब्धि है। मुझे जो भूमिका और जगह दी गई, उससे मैं पूरी तरह संतुष्ट और खुश हूं।'' वे मानती हैं कि सफलता की राह में चुनौतियां आती हैं, लेकिन सही मंशा और मेहनत के साथ हर मुश्किल आसान हो जाती है। उन्होंने बताया कि वह शोहरत, टीआरपी या रैंकिंग की बजाय अपने काम और परफॉर्मेंस पर पूरा ध्यान देती हैं। अद्रिजा ने बताया, ''मेरा हमेशा से मानना है कि ईमानदारी से अपना काम किया जाए तो राह में आने वाली मुश्किलें अपने आप ठीक हो जाती हैं।

अभिनेत्री ने 'अनुपमा' के प्रोड्यूसर राजन शाही की तारीफ करते हुए कहा कि वह सेट पर हर एक्टर को यही सलाह देते हैं कि टीआरपी या रेटिंग के बारे में न सोचें, बस अपनी परफॉर्मेंस पर ध्यान दें। अद्रिजा भी इसी विचार से सहमत हैं। उन्होंने कहा, ''मैं बाहरी दबाव या तनाव को ज्यादा प्रभावित नहीं होने देती। हर दिन अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करती हूं।''

एक्ट्रेस का यह भी मानना है कि उनमें और शो के उनके किरदार में कई समानताएं हैं। उन्होंने बताया, मुझमें और राही में निश्चित रूप से कई समानताएं हैं, खासकर सकारात्मक नजरिए से। कहानी में कुछ स्थितियां पूरी तरह से नाटकीय प्रभाव के लिए लिखी गई हैं, जिन्हें हम एक्टर के तौर पर निभाते हैं। निजी तौर पर, हो सकता है कि मैं हमेशा हर काम से खुद को जोड़ न पाऊं। लेकिन जब भी राही शो में भावनात्मक रूप से प्रतिक्रिया देती है, खासकर उन दृश्यों में जिनमें उसकी मां शामिल होती है, तो मैं उसके नजरिए को समझने की कोशिश करती हूं। कभी-कभी दर्शकों को लग सकता है कि वह गलत है, लेकिन उसके नजरिए से उसकी भावनाएं सही हैं। एक एक्टर के तौर पर, जब मैं किसी दृश्य के पीछे के तर्क और भावनात्मक सच्चाई को समझ लेती हूं, तो उसे ईमानदारी से निभाना आसान हो जाता है।

इम्तियाज अली के निर्देशन में निखरीं शरवरी वाघ

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री शरवरी वाघ इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'क्या कमाल है' को लेकर सुर्खियों में हैं। इस फिल्म में अभिनेत्री 'जिया' नाम का एक बेहद संवेदनशील और महत्वपूर्ण किरदार निभा रही हैं। हाल ही में फिल्म का नया गाना 'मस्कारा' रिलीज हुआ है, जिसमें शरवरी का अंदाज पुराने दौर की बॉलीवुड हीरोइनों के रोमांस की याद दिला रहा है। शरवरी ने इंस्टाग्राम पर गाने की शूटिंग के बीटीएस पल शेयर किए। इस पोस्ट में शरवरी ने इम्तियाज अली के साथ अपने काम करने के अनुभव को बयां करते हुए लिखा, इम्तियाज अली सर और मैं इस एहसास को 'किस-मिस यारा' कहते थे। यह एक मजेदार बनाया गया शब्द है, जो पहली बार प्यार में पड़ने वाली उस मीठी और हल्की सी गुदगुदाहट को महसूस कराता है। अभिनेत्री ने आगे लिखा, मेरा किरदार 'जिया' अपनी जिंदगी में कई बार इसी 'किस-मिस' वाले एहसास से गुजरती है। गाने में मेरा नटखट और शरारती अंदाज दर्शकों को काफी पसंद आ रहा है। शरवरी ने अपनी पोस्ट में इम्तियाज अली की जमकर तारीफ की।

उन्होंने बताया कि किस तरह निर्देशक ने उन्हें अपनी परफॉर्मेंस की उन बारीकियों को समझने में मदद की, जिनसे वह खुद भी अनजान थीं। उन्होंने लिखा, मैंने सिर्फ आपको देखकर ही भावनाओं और कहानी कहने के तरीके के बारे में बहुत कुछ सीखा है। मुझ पर भरोसा करने और हर पल मेरा मार्गदर्शन करने के लिए मैं आपकी हमेशा आभारी रहूंगी। 'मस्कारा' गाने में शरवरी का लुक काफी क्लासी रखा गया है। गाने में उनका नटखट और शरारती अंदाज भी देखने को मिलता है। 'मस्कारा' गाना अपनी रोमांटिक धुन और शानदार केमिस्ट्री के लिए सोशल मीडिया पर छा गया है। इस गाने को वेदांग रैना और नीलांजना घोष दस्तीदार ने अपनी आवाज दी है। इसका संगीत दिग्गज संगीतकार ए.आर. रहमान ने दिया है, जबकि बोल इरशाद कामिल ने लिखे हैं। गाने के वीडियो में वेदांग रैना और शरवरी वाघ की जोड़ी नजर आ रही है, जिनकी मासूम प्रेम कहानी और केमिस्ट्री को काफी पसंद किया जा रहा है।

कैरम लीग प्रतियोगिता में सभी वर्ग के लोगों ने लिया भाग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां अयनावरम् के एसएस जैन नवयुवक मण्डल के तत्वावधान में केरम लीग प्रतियोगिता का आयोजन 10 मई को अयनावरम जैन भवन में किया गया। इस प्रतियोगिता में सभी उम्र के लोगों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता के टाईटल स्पॉन्सर मनोहरमल प्रदीप पगारिया रहे।

संघ के मंत्री मोतीलाल ओस्तवाल व मंडल के चेयरमैन महावीर बांठिया, अध्यक्ष सुरेश दुगड़, मंत्री रूपेश बोहरा, शांतिलाल रांका, विनोद खींवसरा, सुनील खारीवाल ,मुकेश दुगड़ एवं इस कार्यक्रम को सफल बनाने में केरम लीग चेयरमैन जितेन्द्र खिंवंसरा, राजकुमार झामड़, ज्ञानचंद रांका, दिनेश सुराणा, महेन्द्र दुगड़, संदीप खिंवसरा, सुनील पगारिया, अजीत सोनी एवं अन्य सदस्यों का सक्रिय सहयोग रहा।

रजत ओलम्पियाड-2026 की तैयारियां शुरु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। राजस्थानी असोसिएशन तामिलनाडु के तत्वावधान में राजस्थानी ओलम्पियाड 2026 शुरु होने जा रहा है। इस विशाल आयोजन हेतु, रजत की ऑफिस एग्मोर में मीटिंग रखी गई जिसमें सब संयोजकों ने अपनी-अपनी रिपोर्ट पेश की व अपनी योजना बताई। ओलम्पियाड चेयरमैन राधेश्याम मूँधड़ा ने बताया कि इस वर्ष सब टूर्नामेंट को दो भागों में बांटा गया है।

जहाँ गर्मी में 8 इन्डोर खेल जैसे चैस, कैरम, टेबल-टेनिस, बैडमिंटन, पिकल बॉल, इत्यादि तथा अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस 21जून से शुरू होंगे वहीं बाह्य शीतकालीन खेल जैसे वॉलीबाल, क्रिकेट जनवरी/फरवरी में सम्पन्न होंगे। इतने विशाल आयोजन की सफलता हेतु आज से ही व्यवस्थाएं व्यवस्थित की जा रही है। प्रेस व मिडिया प्रभारी ज्ञानचंद कोठारी ने बताया कि राजस्थानी समाज के महिला पुरुष इन प्रतियोगिताओं में भाग लेने हेतु अभी से तैयारी शुरू कर दें व औपचारिक घोषणा के उपरांत अपना नाम अवश्य रजिस्टर करावें।

आईकैम्प

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई। महावीर इंटरनेशनल रॉयल द्वारा चैनई ओटेरी क्षेत्र के पारस विला के प्रांगण में आई कैंप का आयोजन कमलेश, उषा परमार के अर्थ सहयोग से मुख्य अतिथि पुलिस उपायुक्त जी.के. कन्नन की उपस्थिति में संस्था अध्यक्ष सज्जन राज मेहता, मंत्री पारस तोलावत द्वारा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 128 लोगों के आंखों की जांच हुई। 64 को चश्मा वितरण किये गए। 15 लोगों के आंखों का ऑपरेशन होगा। इस अवसर पर महिला विंग अध्यक्ष प्रिया अबानी, मंत्री सुनीता मेहता, राजू सुराणा कल्पना समदड़िया, पारस संचेती, अशोक नाहर आदि की उपस्थिति सेवाएं सराहनीय रही। कमला मेहता ने मां के प्रति बड़े ही भावात्मक शब्दों से महत्व को बताते हुए गीतिका प्रस्तुत की। सज्जन राज मेहता ने सबका स्वागत करते हुए संस्था की गतिविधियों पर प्रकाश डाला। संस्था द्वारा कैंप सहयोगी एवं अतिथियों का सम्मान किया गया। संस्था के मंत्री पारस तोलावत ने संचालन किया। उषा परमार ने सभी को धन्यवाद दिया।

गीत, ग़ज़ल, कविताओं का संगम रही 'शब्द' की काव्य संध्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। प्रसिद्ध साहित्य संस्था 'शब्द' की गत रविवार को आयोजित मासिक काव्य संध्या मनभावन गीतों, गज़लों, कविताओं, हास्य एवं व्यंग्य की रसधार से सराबोर रही। वरिष्ठ कवयित्री रचना उनियाल की अध्यक्षता में आयोजित काव्य संध्या का आगाज वरिष्ठ गीतकार मंजु गुप्ता लता की सुमधुर सरस्वती वंदन से हुआ। उन्होंने शुरुआत में जो समा बाँधा, उसे अपने ही मनभावन गीतों से परवान चढ़ाया। काव्य संध्या में विशिष्ट अतिथि अजमेर के कवि रासबिहारी गौड़ थे। उनके उम्दा हास्य और व्यंग्य ने श्रोताओं को देर तक लोटपोट किए रखा। 'शब्द' की कार्यकारी अध्यक्ष नलिनी पोपट, कवयित्री गीता चौबे गूंज और ऋता शेखर मधु के गीत भी श्रोताओं ने खूब सराहे। 'शब्द' की सचिव उषा रानी राव की कविता के विचार और बिम्ब की भी श्रोताओं ने सराहना की। पंडित राजगुरु की ओजस्वी प्रस्तुति, रमाकांत गुप्ता का हास्य और 'शब्द' के कार्यक्रम संयोजक श्रीकात शर्मा के देसी गीत भी प्रभावी थे। नमिता सिन्हा, उषा गुप्ता, श्रीप्रकाश यादव और श्रीनारायण समीर की कविताएँ माँ पर केंद्रित थीं। रचना उनियाल ने अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में गोष्ठी में सुनायी गयी कविताओं के विचार, हास्य और रोमान की प्रशंसा की। उनका सस्वर काव्य पाठ भी सराहनीय था।

काव्य संध्या के आरंभ में 'शब्द' के अध्यक्ष श्रीनारायण समीर ने उपस्थितजन का स्वागत करते हुए कहा कि कविता में अंतर्वस्तु और अभिव्यंजना महत्त्वपूर्ण होती हैं। इसी से कविता में लोकमंगल के भाव और रस का आस्वादन सुनिश्चित होता है। कार्यक्रम का संचालन उषारानी राव ने किया और धन्यवाद ज्ञापन श्रीकांत शर्मा ने।

कॅरियर कम्पस का आयोजन सेलम में

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। यहां भारतीय जैन संघटना के संस्थापक शांतिलाल मूथा तमिलनाडु बीजेस के अध्यक्ष कमल किशोर महासचिव राजेश पोखरण एवं राज्यप्रमुख कविता कावड़ के मार्गदर्शन एवं सहयोग से इकराता के सहयोग में फाउंडेशन कार्यक्रम कॅरियर कम्पस का आयोजन बीजेस सेलम द्वारा किया गया। यह आयोजन पूर्ण रूप से ऑनलाइन रहा जिसमे अनेक विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह एवं सक्रिय सहभागिता के साथ कार्यक्रम में भाग लिया तथा सभी सत्रों में पूर्ण रूप से जुड़े रहे।

प्रशिक्षण सत्र का संचालन इरोड के ऋषभ पटवारी द्वारा किया गया। उन्होंने इंटरैक्टिव एक्टिविटीज एवं वन-टू-वन इंस्ट्रक्शन सेशन्स के माध्यम में विद्यार्थियों को सही करियर मार्गदर्शन प्रदान किया तथा भविष्य की संभावनाओं को समझने एवं आत्मविश्वास बढ़ाने में महत्वपूर्ण सहयोग दिया। सभी सहभागी विद्यार्थियों को वीडियो रिकॉर्डिंग एवं सर्टिफिकेट और कम्प्लीशन भी प्रदान किए गए।

विद्यार्थियों को केवल शैक्षणिक जानकारी ही नहीं, बल्कि आज के प्रतिस्पर्धात्मक युग में आवश्यक जीवन कौशल का भी महत्वपूर्ण ज्ञान प्राप्त हुआ। इस कार्यक्रम की प्रोजेक्ट प्रमुख सीमा जैन और दिशा जैन के समर्पित सहयोग, उत्कृष्ट समन्वय एवं अथक प्रयासों से यह कार्यक्रम अत्यंत सफल रहा। बीजेस सेलम द्वारा सभी ऑनलाइन भाग लेने वालों के प्रति आभार व्यक्त किया। भवानी रीजन वाइस प्रेसिडेंट निकेश जैन, अनिल जैन,सेलम बीजेस अध्यक्ष पिंकी गुजर महिला विंग प्रेसिडेंट एवं अन्य बीजेस कार्यकताओं का सहयोग अमूल्य रहा।

द्रमुक ने नजीम को विधानसभा में पार्टी का नेता नियुक्त किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुडुचेरी। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) की पुडुचेरी इकाई ने सोमवार को ए. एम. एच. नजीम को विधानसभा में पार्टी का नेता और आर. सेंथिल कुमार को उपनेता नियुक्त किया। द्रमुक की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गयी। इस संबंध में निर्णय पार्टी की एक उच्च स्तरीय बैठक में लिया गया, जिसकी अध्यक्षता द्रमुक की पुडुचेरी इकाई के प्रचार सचिव एवं लोकसभा सदस्य एस जगतरक्षकन ने की। पुडुचेरी विधानसभा की कुल 30 सीटों में से द्रमुक ने पांच सीटें जीतीं। नजीम ने कराईकल दक्षिण विधानसभा क्षेत्र से अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी ए. वी. एस. शक्तिवेल प्रभु को 5,862 वोटों के अंतर से हराया।

वहीं, सेंथिल कुमार ने बहौर सीट से 10,520 मत प्राप्त कर जीत दर्ज की और अपने निकटतम कांग्रेस उम्मीदवार टी. थियागराजन को हराया, जिन्हें 8,123 मत मिले। उनकी जीत का अंतर 2,397 मत रहा। पुडुचेरी विधानसभा चुनाव नौ अप्रैल को हुए थे और मतगणना चार मई को हुई थी। चुनाव में एआईएनआरसी के नेतृत्व वाला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) विजयी रहा।

ज्ञान हमें रास्ता दिखाता है और त्याग हमें मोक्ष तक ले जाता है : संतश्री समकितमुनि

पुष्कर भवन में अष्ट दिवसीय 'समकित संस्कार शिविर' सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के मागड़ी रोड स्थित गुरु ज्येष्ठ पुष्कर जैन आराधना केन्द्र में 'बेंगलूरु चातुर्मास समिति-2026' के तत्वावधान में आयोजित अष्ट दिवसीय आवासीय 'समकित संस्कार शिविर' का रविवार को समापन हुआ। आठ दिनों तक चले ज्ञान और संस्कारों के इस महाकुंभ में देशभर से आए सैकड़ों बच्चों ने जीवन जीने की कला सीखी। समापन समारोह में आयोजित सभा में सान्निध्यता प्रदान कर रहे गुरुदेवश्री डॉ. समकितमुनिजी ने 'ज्ञान' और 'त्याग' के मर्म को समझाते हुए एक अत्यंत मार्मिक और प्रभावी उद्बोधन दिया। उन्होंने कहा कि इस संसार में 'ज्ञान' वह दिव्य प्रकाश है जो अज्ञानता के घोर अंधकार में हमें सही मार्ग दिखाता है। ज्ञान हमें भटकाव से बचाता है, लेकिन उस मार्ग पर चलकर परम शांति तक पहुंचने का एकमात्र साधन 'त्याग' है। ज्ञान हमें रास्ता दिखाता है और त्याग हमें मोक्ष तक ले जाता है। गुरुदेव ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि उन्होंने इन आठ दिनों में जो कुछ भी सीखा है, वह ज्ञान है, अब जीवन में बुराइयों का, व्यसनों का और दुर्गुणों का त्याग करके उन्हें उस ज्ञान को सार्थक बनाना है। इ्इस आयोजन में साध्वीश्री सत्यप्रभाजी सहित अन्य साध्वियां भी उपस्थित थीं। समारोह में साध्वीश्री सुमंगलप्रभाजी ने बच्चों को आशीर्वाद देते हुए कहा कि इन आठ दिनों में आपने देव, गुरु, धर्म और जीवन जीने की जो उत्कृष्ट कला सीखी है, वह केवल आपकी कॉपियों या डायरियों में बंद होकर नहीं रहनी चाहिए। असली सफलता तब है जब यह सारा ज्ञान आपके व्यवहार और आपके 'आचरण' में उतर जाए। यहां से जो संस्कार आप लेकर जा रहे हैं, वे आपके पूरे जीवन भर आपके साथ एक सच्चे मित्र की तरह चलने चाहिए। साध्वी सिद्धमश्री ने गीतिका के माध्यम से बच्चों का उत्साह बढ़ाया और 'जीरो वेस्टेज' का अमूल्य उपदेश दिया। उन्होंने बच्चों को अन्न का आदर करना सिखाते हुए कहा कि हमारी थाली तक पहुंचने वाले भोजन के एक-एक दाने के पीछे किसान के पसीने से लेकर अनेक लोगों का कठोर श्रम जुड़ा होता है। जब हम अपनी थाली में जूठन छोड़ते हैं, तो हम केवल अन्न का ही नहीं, बल्कि उन सैकड़ों लोगों के पसीने और श्रम का अपमान करते हैं। साध्वी जी ने सभी बच्चों को यह दृढ़ संकल्प दिलाया कि वे जीवन में कभी भी अपनी थाली में भोजन व्यर्थ नहीं छोड़ेंगे। मुनि जयवंतमुनि ने अपने सुमधुर स्वरों में एक अत्यंत जोशीली गीतिका प्रस्तुत की। इस शिविर में 18 श्रावक परिवारों ने लाभार्थी के रूप में अपना विशेष सहयोग प्रदान किया। चातुर्मास समिति के चेयरमैन रायचंद छाजेड़, प्रकाश बेताला एवं अशोक रांका, शिविर के संयोजक शांतिलाल भंडारी एवं रमेश सिसोदिया व उनकी टीम ने व्यवस्था संभाली।

चातुर्मास समिति के गुलाबचंद पगारिया, राजेंद्र मरलेचा, महेंद्र मेहता, नेमीचंद दलाल, जंबुकुमार दुगड़, नरेंद्र दुधेड़िया, मनोहर धारीवाल , इंदर रांका, गुरु ज्येष्ठ पुष्कर भवन के अध्यक्ष नेमीचंद सालेचा, महामंत्री महावीरचंद मेहता, लालचंद छिंगावत व अन्य महिला, युवा सदस्य, जैन कॉन्फ्रेंस युवा टीम, आयोजकगण, शिक्षकों की उपस्थिति ने समापन समारोह को भव्य बना दिया। शिविर संयोजक शांतिलाल भंडारी एवं रमेश सिसोदिया ने सभी अतिथियों व सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

समाज और संस्कृतियों को जोड़ता है अणुव्रत : राजेश चंदन

'स्वस्थ समाज निर्माण में सामाजिक संस्थाओं की भूमिका' विषय पर हुई संगोष्ठी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां स्थानीय अणुव्रत समिति द्वारा रविवार को पुरुषवाक्कम स्थित सीयू शाह में 'स्वस्थ समाज के निर्माण में सामाजिक संस्थाओं की भूमिका' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन हुआ। अणुव्रत आंदोलन के प्रवर्तक आचार्य तुलसी द्वारा रचित 'अणुव्रत गीत संयममय जीवन हो' के सामूहिक संगान से संगोष्ठी का शुभारंभ हुआ। अध्यक्ष सुभद्रा लुणावत ने अपने स्वागत-भाषण में संगोष्ठी की थीम के 'बिंदु स्वार्थ-स्वयं निखरें, परार्थ-परिवार व समाज निखरें और परमार्थ-चेतना निखरें' पर विचार रखे। जैन अंतरराष्ट्रीय व्यापार संगठन (जीतो) चेन्नई चैप्टर के अध्यक्ष राजेश चंदन ने बतौर मुख्य अतिथि कहा कि जैनाचार्य तुलसी ने सर्व समाज सुधार उद्देश्य से आज से 75 वर्ष पूर्व अणुव्रत आंदोलन का प्रर्वतन किया। अणुव्रत यानी छोटे-छोटे व्रत-नियम। ये छोटे-छोटे नियम व्यक्ति को बड़ा बनाते हैं। अणुव्रत के जरिए व्यक्ति, समाज और संस्कृतियों को जोड़ा जा सकता है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे अणुव्रत विश्व भारती सोसाइटी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कैलाश बोराणा ने अणुव्रत आचार संहिता का वाचन किया और अणुव्रत समिति चेन्नई की इस अभिनव पहल की प्रशंसा की। तमिलनाडु अल्पसंख्यक आयोग सदस्य पी. राजेन्द्र प्रसाद जैन ने पूर्व में प्रकाशित तमिल भाषा में अणुव्रतम् पत्रिका को पुनः शुरु करने का आग्रह किया, तो विशिष्ट अतिथि जैन महासंघ के अध्यक्ष प्यारेलाल पितलिया ने इसकी बहाली के लिए आश्वस्त किया। विशिष्ट अतिथि विजयराज कटारिया ने कहा कि अणुव्रत हमें जीने की कला सिखाता है।

मुख्य वक्ता राकेश खटेड़ ने कहा कि हर संस्था अच्छा कार्य कर रही हैं। यह आचार-विचार के आदान-प्रदान का मंच है। हम अच्छाइयों को आपस में साझा करके समाज विकास में योगदान करें। उन्होंने कहा कि 'देहरी-दीपक न्याय' के अनुसार अणुव्रत अंदर और बाहर, दोनों तरफ उजाला करता है। यह मानव को दुर्गति से बचाता है।

अणुविभा के राष्ट्रीय संगठन मंत्री राजेश चावत ने बताया कि अणुव्रत अभियान की गूंज गाँव की चौपाल से लेकर राष्ट्रपति भवन और संयुक्त राष्ट्र तक पहुँची है। 'एलीवेट' राष्ट्रीय प्रभारी मुदित भंसाली ने पीपीटी के साथ नशा-मुक्ति पर अपना प्रभावी व्यक्तव्य दिया। उन्होंने उदाहरण देकर कहा कि जब भारत के प्रधानमंत्री नशा को 'ना' कह सकते हैं तो हमें भी हमारी व्यसन-मुक्त जीवनशैली पर कायम रहना चाहिए। सुखी परिवार और समर्थ समाज के लिए नशामुक्ति अनिवार्य है। कार्यक्रम संयोजक, उपाध्यक्ष डॉ. दिलीप धींग ने कहा कि तीर्थंकर महावीर ने गृहस्थ के लिए पाँच अणुव्रत दिए, तो भगवान बुद्ध ने पंचशील और पतंजलि ने पाँच यम के रूप में उन्हें आगे बढ़ाया। आचार्य हेमचंद्र, हीरविजय, जैन दिवाकर, शांतिविजय आदि संतों का उल्लेख करते हुए उन्होंने आचार्य तुलसी द्वारा प्रवर्तित अणुव्रत आंदोलन की बात कही। सहमंत्री कमल सामसुखा, संतोष सेठिया, सुनिल बाफणा ने अतिथियों का परिचय दिया। उपाध्यक्ष स्वरूप चन्द दाँती और राजेश सुराणा ने संचालन किया। मंत्री कुशल बांठिया ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

समारोह में आचार्य शोभा आर्य 'वेदरत्न', सज्जनराज सुराणा, पार्श्वकुमार, तनसुख नाहर, प्रवीण टाटिया, ललित दुगड़, ज्ञानचन्द आंचलिया, अशोक खतंग, विमल चिप्पड़, गौतम सेठिया, डॉ कमलेश नाहर, भरत डी मरलेचा, संपतराज चोरड़िया, मोहिनी चोरड़िया, विजया कोटेचा, ज्ञानचंद कोठारी, गौतम बोहरा, हंसमुख रांका, जेपी ललवाणी, संपत बागमार, रमेश डागा, बीएल आच्छा इत्यादि एवं श्वेताम्बर मूर्तिपूजक और स्थानकवासी समाज के विभिन्न संघों के पदाधिकारी, अग्रवाल, माहेश्वरी, आर्य समाज, महावीर इंटरनेशनल, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ, जैन लेखक मंच, दक्षिण भारत जैन स्वाध्याय संघ, चंदन तिलक, आदि विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

देवेगौड़ा ने ईंधन और विदेशी मुद्रा की बचत के लिए प्रधानमंत्री के आह्वान का स्वागत किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जनता दल (एस) के वरिष्ठ नेता एच डी देवेगौड़ा ने कहा कि पश्चिम एशिया संकट के प्रभाव के मद्देनजर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ईंधन बचत और विदेशी मुद्रा संरक्षण की अपील का स्वागत किया जाना चाहिए। पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा कि मोदी ने संघर्ष से उत्पन्न वैश्विक संकट के बीच उपभोग में सावधानी बरतने की सलाह दी है।

गौड़ा ने कहा, प्रधानमंत्री ने कल तेलंगाना में कुछ सुझाव दिए। ईरान और अमेरिका-इजराइल के बीच संघर्ष के प्रतिकूल प्रभाव के कारण ईंधन ले जाने वाले जहाजों की आवाजाही बाधित हुई है। इस स्थिति को देखते हुए मोदी ने उपभोग में सावधानी बरतने की सलाह दी है। उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि प्रधानमंत्री की यह अपील भारत के लगभग 150 करोड़ लोगों से की गयी है। उन्होंने कहा, यह अपील किसी और कारण से नहीं है। यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संघर्ष के प्रभाव के कारण है। हमें इसका स्वागत करना चाहिए।

प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार को हैदराबाद में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तेलंगाना इकाई द्वारा आयोजित एक रैली को संबोधित करते हुए पश्चिम एशिया संकट के बीच विदेशी मुद्रा की बचत के लिए पेट्रोल और डीजल की खपत कम करने, घर से काम करने आदि का सुझाव दिया। मोदी ने पश्चिम एशिया संकट के कारण विदेशी मुद्रा बचाने की आवश्यकता पर जोर देते हुए एक वर्ष के लिए सोने की खरीद और विदेश यात्रा को स्थगित करने का भी आह्वान किया।

केंद्रीय राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे ने कहा कि प्रधानमंत्री की अपील देश के हित में है और पश्चिम एशिया संघर्ष के बीच विदेशी मुद्रा भंडार को संरक्षित करने के उद्देश्य से की गई है। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, पिछले दो वर्षों से प्रधानमंत्री खाद्य तेल की खपत कम करने की बात कर रहे हैं क्योंकि हम इस मामले में आत्मनिर्भर नहीं हैं। हम 70 प्रतिशत खाद्य तेल आयात करते हैं। खपत कम करने से हमें विदेशी मुद्रा बचाने में मदद मिलेगी और यह स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी है। उन्होंने कहा कि देश पेट्रोलियम उत्पादों और उर्वरकों में भी आत्मनिर्भर नहीं है और इनका विवेकपूर्ण उपयोग विदेशी मुद्रा भंडार की बचत करने में सहायक होगा।

राजकीय स्तुति गीत को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की परंपरा को बदल रही केंद्र सरकार : कार्ति चिदंबरम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम ने सोमवार को केंद्र सरकार पर आरोप लगाया कि वह राजकीय स्तुति गीत तमिल थाई वाझ्तु' को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की लंबे समय से चली आ रही परंपराओं को गुपचुप तरीके से बदल रही है। मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय के शपथ ग्रहण समारोह में राजकीय गीत को शुरुआत के बजाय अंत में बजाए जाने को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। इस पर द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) ने भी आपत्ति जताई है, जबकि टीवीके सरकार को बाहर से समर्थन दे रही वीसीके ने कहा है कि वह इस मामले में आगे की कार्रवाई के बारे में निर्णय लेगी। 'पीटीआई वीडियो' से बात करते हुए कार्ति ने शपथ ग्रहण समारोह की व्यवस्था पर कड़ी नाराजगी जताई और कहा कि राजकीय गीत पारंपरिक रूप से शुरुआत में बजाया जाता रहा है।

उन्होंने कहा, तमिलनाडु में यह बात स्पष्ट है कि तमिल थाई वाझ्तु को प्राथमिकता मिलनी चाहिए और इसे पहले ही बजाया जाना चाहिए। कार्ति ने आरोप लगाते हुए कहा, अब केंद्र सरकार की ओर से गुपचुप तरीके से एक नया निर्देश दिया गया है, जिसमें राजकीय गीत को अंत में रखा गया है। यह हमारे लिए स्वीकार्य नहीं है।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.